साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI.NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया
वर्ष 7, अंक-35 www.yuvapradesh.in भोपाल, शुक्रवार 07 अक्टूबर 2022 ypnews24@gmail.com पृष्ठ -8 मूल्य 2 रुपये

सुविचार

संघर्ष थकाता जरूर है लेकिन हमें बाहर से सुन्दर और अन्दर से मजबूत बनाता है।

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

9 अक्टूबर को रवींद्र भवन में आयोजित होगा कॉन्क्लेव, सीएम शिवराज सिंह भी करेंगे शिकरत

युवा प्रदेश ❑ भोपाल।

दलित इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (DICCI) की ओर से मध्य भारत में पहली बार मेगा एससी-एसटी बिजनेस कॉन्क्लेव एंड एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। 9 अक्टूबर को राजधानी भोपाल स्थित रवींद्र भवन में होने वाले इस कॉन्क्लेव में देशभर के 2000 से अधिक एससी-एसटी कारोबारी, उद्यमी और स्टार्टअप शिरकत करेंगे। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहानम केंद्रीय मंत्री, राज्य के मंत्रीगण, भारत सरकार और राज्य सरकार के अधिकारी, विशेषज्ञ, सीआईआई और फिक्की से जुड़े बड़े उद्योगपति के विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इस दौरान अलग-अलग सत्रों में राज्य की एमएसएमई एवं स्टार्टअप नीति, स्व-रोजगार योजनाओं, कृषि और फूड प्रोसेसिंग, पशुपालन पालन, डेयरी और लाइवस्टॉक मैनेजमेंट, मध्यप्रदेश से निर्यात के अवसर, हेल्थ केयर क्षेत्र की संभावनाओं, सोशल इन्क्लूजन और अफरमेटिव एक्शन जैसे विषयों चर्चाएं होंगी। देश के प्रख्यात एससी-एसटी उद्योगपति और उद्यमी मध्यप्रदेश के उद्यमियों और युवाओं को बिजनेस लीडरशिप के टिप्स देंगे। शून्य से शिखर पर पहुंचे कारोबारी अपने अनुभव साझा करेंगे तथा मध्यप्रदेश के सफल उद्यमियों की यहां कहानियां प्रस्तुत की जाएंगी। इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश में एससी-एसटी

दलित इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के बिजनेस कॉन्क्लेव में जुटेंगे देशभर के 2000 से ज्यादा एससी. एसटी. उद्यमी और कारोबारी।

उद्यमियों और युवाओं के लिए एक इकोसिस्टम तैयार है, ताकि वे सुगमता पूर्वक उद्यमिता के क्षेत्र में आ सकें। एससी-एसटी उद्यमियों की यूनिट को राज्य के बड़े उद्योगों के साथ एंकर यूनिट के रूप में विकसित करना है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में DICCI के नेशनल प्रेसिडेंट पद्मश्री रविकुमार नर्रा ने बताया कि हमारा मकसद अनुसूचित जाति एवं जनजाति के युवाओं में व्यवसायिक नेतृत्व विकसित करना है। डिक्की के बैनर तले हम उन्हें व्यवसाय एवं उद्योग क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। ताकि वह देश की अर्थव्यवस्था में बहुमूल्य योगदान दे पाएं। इतना ही नहीं हम ऐसी युवा प्रतिभाओं का समर्थन और उनके स्टार्टअप को सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सहायता प्रदान करने के लिए भी कार्य कर रहे हैं। श्री नर्रा ने कहा कि डिक्की की पहल पर अनेक राज्यों ने एससी-एसटी वर्ग के लिए विशेष उद्योग नीतियां बनाई हैं, जिसके परिणामस्वरूप उन राज्यों में अच्छे परिणाम आए हैं। 16 साल से डिक्की 32 स्टेट चैप्टर और 7 इंटरनेशनल चैप्टर के साथ देश और विदेश में एससी-एसटी बिजनेस लीडरशिप तैयार करने के लिए प्रयास कर रहा है।

युवा नौकरी देने वाले बनें- डॉ. सिरवैया

DICCI मध्य प्रदेश चैप्टर के प्रेसिडेंट डॉ. अनिल सिरवैया ने बताया कि मुख्य अतिथि श्री शिवराज सिंह के अलावा डिक्की के संस्थापक अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. मिलिंद कांबले, डिक्की के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री रविकुमार नर्रा समेत कई विशेषज्ञ बिजनेस और स्टार्टअप से जुड़ी अहम जानकारियां साझा करेंगे। हमारा लक्ष्य- नौकरी देने वाले बनें यानी Become Job Givers है। इसके लिए डिक्की समय-समय पर देश के विभिन्न राज्यों में व्यापार मेले, सेमिनार और कार्यशालाएं, उद्योग एवं सरकार के बीच वार्ता जैसे प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को नौकरियां नहीं दी जा सकती हैं, इसलिए उद्यमिता ही विकल्प है। डिक्की का मध्यप्रदेश चैप्टर 2018 में शुरू हुआ था, इसके बाद हमने सभी संभागों और जिलों में को-ऑर्डिनेटर नियुक्त किए। संगठन के द्वारा प्रदेश में पिछले 6 वर्षों में 1500 से अधिक युवाओं को स्व-रोजगार स्थापित करने में मदद की गई। अब हमारा लक्ष्य प्रदेश के 313 विकासखंडों में एससी-एसटी उद्यमियों के नेटवर्क को मजबूती देना है। ताकि वह सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों में खुद को स्थापित कर ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर प्रदान कर सकें।

2005 में रखी गई थी डिक्की की नींव

बता दें कि दलित इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (DICCI) की स्थापना 2005 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के युवाओं और उद्यमियों के बीच उद्यमशीलता की भावना पैदा करने के लिए की गई थी। जिससे वे दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम हो सकें।

रविदास मंदिर छावनी पठार रायसेन रोड भोपाल में स्व. सूरत सिंह नरवरिया जी का 39 वां परिनिर्वाण दिवस मनाया गया।

युवा प्रदेश ह्वभोपाल/छावनी पठार

संत राधा किशन दास जी ने अरदास पाठ किया। निरंकारी संत कैलाश बामनयां जी संगत दिए। चौधरी अमान सिंह नरवरिया से नि.टी.आई. (पुलिस) संस्थापक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रभारी अहिरवार समाज संघ म प्र जी द्वारा अपने पिता जी का यह कार्यक्रम किया। इसमें प्रदेशाध्यक्ष राजेश अहिरवार, प्रदेशाध्यक्ष समनव्य समिति के सुनील वोरसे जी, प्रदेश उपाध्यक्ष माधौसिंह अहिरवार जी, भोपाल संभाग अध्यक्ष रवि शंकर सूर्यवंशी, भोपाल जिला उपाध्यक्ष बालकिशन अहिरवार, जीतेन्द्र मूलनिवासी जिलाध्यक्ष भीम आर्मी रायसेन , गब्बर सिंह जिलाध्यक्ष विदिशा भीम आर्मी, रविदास मंदिर समिति छावनी पठार के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह अहिरवार गुदावल रविदास मंदिर के अध्यक्ष अशोक अहिरवार उदयपुरा से आऐ स्व. चौधरी सूरत सिंह नरवरिया जी के भतीजे से.नि. हेड मास्टर बिजय सिंह नरवरिया,जैष्ठ नाती राधेलाल नरवरिया, नाती गीतेश नरवरिया नतिया बहू सुनीता नरवरिया, पंतिन आद्या नरवरिया पंती तेजस नरवरिया। छावनी पठार के प्रमुख पूर्व सरपंच नेमनारायण अहिरवार, हरचंदी नरवरिया मदन,बबलू मिस्त्री इत्यादि कार्यक्रम में शिरकत दिए। पुत्र वधू कला देवी नरवरिया पुत्र चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी ने कार्यक्रम संपन्न कराया श्रृद्धांजलि अर्पित की संतों का आशीर्वाद लिया। इसी अवसर पर संत राधा किशन दास जी ने चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी को पगड़ी रश्म कर शिर पर अमृत वाणी सुख सागर रविदासिया धर्म की पुस्तक रख आशीर्वाद देते हुए कहा कि आप इस वाणी से वाचन कर समाज में जनजागरण अभियान चला, समाज को संदेश दे। निरंकारी संत कैलाश बामनयां जी ने अवतार वाणी, बाबा अवतार सिंह निरंकारी जी की पुस्तक भेंटे प्रदान की। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। यह पहल अपने माता-पिता को स्मरण करने की उनकी पुण्यतिथि मनाने की परंपरा अहिरवार समाज में नीव डालकर शुरू की गई। 1984 में इस समाज में नींव रखी सामूहिक सम्मेलन से शादियां कराना जो पहले कभी किसी ने शुरु नही किया था। इसी वर्ष प्रथम वार शादियों में अभिनंदन पत्र स्वयं द्वारा रचित काव्य में देना शूरु किया जो आज समाज में प्रचलन का रूप बन चुका है। इसी तरह के अनेकों समाज सुधार के और समाज को नई दिशा देने के कार्य चौधरी अमान सिंह नरवरिया जी की देन है । रूढ़िवादी हत्या दोष निवारण पंचायत में भी समाज में नयी सोच दे। एक्सीडेंट (दुर्घटना) में मानव मृत्यु,गाय बछड़ा की मृत्यु हो जाने पर 304ए तहत हत्या दोष न मानने पर संदेश दिये। समाज उत्थान के योगदान को

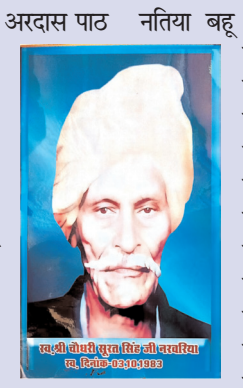

अहिरवार समाज इनके उक्त कार्यों का ऋणी रहेगा।

आज़ भी समाज के लिए महापुरुषों की बिचार धारा पर चलने का नशा मुक्त समाज बनाने जैसे कार्यों में सेवारत है। इनको समाज शोधक, प्रवर्तक कहा जाना सम्मान जनक है।

मौलिक अधिकारो के उल्लंघन होने पर सुप्रीम कोर्ट को मुआवजा दिलवाने की शक्ति प्राप्त है जानिए/Legal General Knowledge....।

भारतीय संविधान में नागरिकों को छः प्रकार के मौलिक अधिकार प्राप्त है जो इस प्रकार है - (1). समानता का अधिकार, (2). स्वतंत्रता का अधिकार(जिसके अंतर्गत महत्वपूर्ण अधिकार है जीवन जीने की स्वतंत्रता), (3).शोषण के विरुद्ध अधिकार, (4). धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, (5). संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार, एवं (6). संवैधानिक उपचारों का अधिकार। अगर सरकार या सरकार के किसी अधिकारी द्वारा नागरिकों के किसी भी मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया जाता है तब पीड़ित व्यक्ति या वर्ग क्षतिपूर्ति के लिए संवैधानिक उपचार के अधिकार अनुच्छेद 32 के अंतर्गत सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सकता है। एवं सुप्रीम कोर्ट को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन में प्रतिकर(मुआवजा) दिलवाने की शक्ति प्राप्त है जानिए महत्वपूर्ण जजमेंट।

1. एम. सी. मेहता बनाम भारत संघ-? उक्त मामले में ऐतिहासिक निर्णय में प्रतिकर के सिद्धांत को प्रतिपादित करते हुए न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया कि न्यायालय को मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के मामले में अनुच्छेद 32 के अधीन प्रतिकर दिलाने की शक्ति प्राप्त है। यह प्रतिकर केवल मौलिक अधिकारों के उल्लंघन पर दिया जाएगा न कि नागरिकों के सिविल अधिकार के उल्लंघन पर।

2.निलबती बेहरा बनाम उड़ीसा राज्य-? उक्त मामले में न्यायालय द्वारा अभिनिर्धारित किया गया कि जहाँ नागरिकों के मौलिक अधिकारों का राज्य सरकार द्वारा या उसके सेवको या अधिकारी द्वारा उल्लंघन किया जाता है वहाँ अनुच्छेद 32 एवं अनुच्छेद 226 के अंतर्गत न्यायालयों को पीड़ित व्यक्ति को प्रतिकर दिलाने की शक्ति प्राप्त है, ऐसे मामलों में सम्प्रभू की उन्मुक्ति सिद्धांत का प्रतिवाद लेकर राज्य अपने दायित्वों से बच नहीं सकता है। उपर्युक्त जजमेंट से स्पष्ट होता है कि मौलिक अधिकारों के उल्लंघन होने पर व्यक्ति डारेक्ट सुप्रीम कोर्ट में वाद दायर कर सकते हैं एवं वाद व्यक्ति सरकार या सरकार के किसी भी शासकीय अधिकारी पर भी किया जा सकता है भारतीय संविधान अधिनियम,1950 के अनुच्छेद 32 के अंतर्गत।

- लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला ब्यूरो चीफ अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

अहिरवार समाज के जुलूस का दबंगों ने किया विरोध।

युवा प्रदेश ❑ माखन नगर।

दिनांक 06/10/2022 को ग्राम सांगाखेड़ा कला तहसील माखन नगर (बाबई) जिला नर्मदापुरम से अहिरवार समाज के लोग थाना माखन नगर पर एकत्रित हुए लोगों ने बताया कि कल दिनांक 05/10/2022 को शाम 5ः00 बजे अहिरवार समाज के द्वारा साईं बाबा की मूर्ति का विसर्जन हेतु जुलूस निकाला जा रहा था जिसमें कीर समाज के लोगों ने आकर झगड़ा किया , यह लोग महिलाओं के समूह में शामिल होकर नाचने लगे एवं महिलाओं से छेड़छाड़ करने लगे जिसका विरोध करने पर 5 लोगों ने विनोद अहिरवार को जूते एवं लात घुसो से मारपीट कर दी। इन लोगों के द्वारा अहिरवार समाज के डीजे ढोल के द्वारा निकाले जा रहे जुलूस का विरोध किया गया, जातिसूचक शब्दों एवं गाली गलौज के करने लगे। अहिरवार समाज के जुलूस का विरोध किया गया इनका मानना था कि

अहिरवार समाज गांव में डीजे ढोल के साथ जुलूस नहीं निकाल सकते। पूर्व में भी दबंगों द्वारा सांगाखेड़ा कला में अहिरवार समाज के आयोजनों का विरोध किया जाता रहा है। कल रात दिनांक 5/10/2022 को रात 8ः00 बजे से मध्य रात्रि तक यह लोग तलवार, चाकू, डंडों के साथ अहिरवार मोहल्ले में घूमते रहे और गाली गलौज करते रहे। जब अहिरवार समाज संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुनील बामने को इस घटना की जानकारी लगी तो उन्होंने सांगाखेड़ा कला के अहिरवार समाज के लोगों को थाने बुलाकर स्रद्धक करवाई जिसमें वरिष्ठ समाजसेवी संजय अहिरवार, अहिरवार समाज संघ के प्रदेश आईटी सेल प्रभारी संजेश गोलिया जी एवं ग्राम सांगाखेड़ा कला के सैकड़ों अहिरवार समाज के लोग उपस्थित थे। ग्राम में अहिरवार समाज के साथ हो रही इन घटनाओं एवं छुआछूत को लेकर पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक महोदय से कठोर कार्यवाही करने का निवेदन किया।

राजस्व अधिकारी पर नियंत्रण कौन रख सकता है जानिए/MP Land Revenue Code,1959.....।

भू राजस्व संहिता के अनुसार वह अधिकारी जो राज्य सरकार के राजस्व, भूमि संबंधित कर्तव्य की निभा सके उसे राजस्व अधिकारी नियुक्त किया जाता है। राजस्व अधिकारी कौन होगा भू राजस्व संहिता के अध्याय 3 में बताया गया है अध्याय के अनुसार 12 राजस्व अधिकारी होते हैं जो राज्य सरकार के नियंत्रण में कार्य करते हैं वो निम्न हैं -आयुक्त, अपर आयुक्त, कलेक्टर, अपर कलेक्टर,

मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता,1959 की धारा 12 की परिभाषा- समस्त राजस्व अधिकारी पर राज्य सरकार का नियंत्रण होगा एवं समस्त खण्ड के राजस्व अधिकारी आयुक्त के नियंत्रण में होंगे एवं समस्त खण्ड(तहसील) के अधीनस्थ राजस्व अधिकारी कलेक्टर के नियंत्रण में होंगे जब तक राज्य सरकार इसके संबंध में कोई विशेष आदेश नहीं करे।

महत्वपूर्ण नोट- कोई भी अपर आयुक्त, आयुक्त के नियंत्रण में नहीं रहेगा एवं कोई भी अपर कलेक्टर,कलेक्टर के नियंत्रण में नहीं रहेगा न ही अपर आयुक्त को आयुक्त के अधीनस्थ अधिकारी समझा जाएगा एवं न ही अपर कलेक्टर को कलेक्टर के अधीनस्थ समझा जाएगा इनको आयुक्त एवं कलेक्टर ही माना जायेगा ? गोपाल प्रसाद बनाम राजस्व मण्डल?।

- कानूनी जानकारी लेखिका रागिनी सिंह इंदौर मोबाइल 8349039543

जिला वक्फ बोर्ड बूंदी के नवनियुक्त चेयरमैन इकरामुद्दीन बबलू ने नवनियुक्त कमेटी के साथ पदभार ग्रहण किया।

युवा प्रदेश ❑ बूंदी

जिला वक्फ बोर्ड बूंदी के नवनियुक्त चेयरमैन इकरामुद्दीन बबलू ने नवनियुक्त कमेटी के साथ सोमवार को अपना पदभार ग्रहण किया। मीरा गेट वक्फ कॉम्प्लेक्स स्थित कार्यालय में इकरामुद्दीन बबलू ने जिला वक्फ बोर्ड बूंदी के पदाधिकारियों व समाज के गणमान्य एवं वरिष्ठ लोगों की मौजूदगी में पदभार ग्रहण किया। इससे पूर्व जिला वक्फ बोर्ड बूंदी के नए कार्यालय का शुभारंभ चेयरमैन इकरामुद्दीन बबलू की पुत्री अरविशा खान ने फीता काटकर किया। इकरामुद्दीन बबलू ने अपने कार्यालय का शुभारंभ बेटी अरविशा खान के हाथों करवा कर समाज को संदेश देते हुए कहा कि बेटिया किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं है, जरूरत है तो हमें उन्हें आगे बढ़ाने की। पदभार ग्रहण करने के पश्चात इकरामुद्दीन बबलू ने कहा कि मुस्लिम समाज के हर तबके को साथ लेकर चलने का प्रयास किया जाएगा वहीं जिले भर में वक्फ संपत्तियों के संरक्षण के साथ-साथ अवैध अतिक्रमण की चपेट में आ रही वक्फ संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त करवाना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने मुस्लिम समाज के सभी गणमान्य एवं वरिष्ठ जनों से वक्फ संपत्ति के संरक्षण में उनका सहयोग करने का आह्वान किया है। इस दौरान कमेटी के सरपरस्त नवेद केसर लखपति, हाजी नूरुद्दीन, वाइस चेयरमैन हारून खान, फारूक अली, कैशियर वसीम अकरम, सचिव मौलाना असलम, सह सचिव गयासुद्दीन भट्टी, सदस्य गयासुद्दीन अंसारी, हमीद खलीफा एवं शिफा उल हक एडवोकेट ने भी अपना पदभार ग्रहण करते हुए वक्फ संपत्तियों के संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान नगर परिषद के उपसभापति लटूर भाई, जमीतपुरा सरपंच बाबुद्दीन, पूर्व वक्फ चेयरमैन डॉ. उमर, पूर्व वक्फ चेयरमैन मेहमूद गोरी कल्लन, नायब काजी मौलाना नूर, पार्षद इरफान इलू, साबिर हुसैन, अंकित बुलीबॉल, अनवर हुसैन, रईस मोहम्मद, जाकिर कादरी, सलाम खिलजी, रियाज़ अली, साजिद हुसैन, हातिम कुरेशी, आरिफ नागोरी, मोहसिन बैग, अल्पसंख्यक कांग्रेस जिलाध्यक्ष जफर बक्श, याशीन कुरेशी, सदर गफ्फार भाई, शिक्षक नेता अख्तर अली, रईस भाई शॉकर, सेफ अली, आशिक़ अली, समीर खान सहित कई समाज बंधु मौजूद रहे।

बूंदी में पहली बार शुरू हुआ वक्फ बोर्ड का कार्यालय

बूंदी शहर में वर्षों से वक्फ बोर्ड के चेयरमैन बनते आए हैं लेकिन अब जाकर पहली बार बूंदी जिले में वक्फ बोर्ड का कार्यालय खुल पाया है। सोमवार को वक्फ बोर्ड कार्यालय के शुभारंभ के अवसर पर मुस्लिम समाज बंधुओं ने नवनियुक्त चेयरमैन इकरामुद्दीन बबलू का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

उत्तरप्रदेश कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बने बृजलाल खाबरी मध्यप्रदेश परिसंघ पदाधिकारीगणों ने दी बधाई।

मूलचन्द मेधोनिया भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी नई दिल्ली के द्वारा उत्तर प्रदेश के श्री बृजलाल खाबरी को उत्तरप्रदेश की बहुत बड़ी जिम्मेदारी सोंपी है। जहां पर 40 करोड़ लोगों की आबादी है।श्री बृजलाल खाबरी अनुसूचित जाति वर्ग के नेता है।जो कि पूर्व सांसद और मध्यप्रदेश कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी की जबावदारी निभा चुके है। दलितों की संख्या 24 प्रतिशत यूपी में है। श्री बृजलाल खाबरी जी को उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पद पर नियुक्त की है। कांग्रेस को मजबूत करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर भी श्री मल्लिकार्जुन खडगे निर्वाचित हुये हैं। कांग्रेस को लगता है कि अनुसूचित जाति जो कि देश की बहुसंख्यक आबादी में है। जिन्हें कांग्रेस पार्टी में पद नियुक्तियां देकर कांग्रेस को देश के हर प्रदेशों को मजबूत किया जा सकता है। मध्यप्रदेश परिसंघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री ए. आर. सिंह , प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अजय झरिया, सचिव श्री जयन्तीलाल जाटव, महासचिव श्री ओ. पी. अहिरवार, श्री नरेंद्र चौधरी, श्री जगन्नाथ अहिरवार, मूलचन्द मेधोनिया प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश असंगठित कामगार प्रकोष्ठ परिसंघ भोपाल इत्यादि परिसंघ के प्रदेश पदाधिकारीगणों ने श्री खबरी जी को शुभकामनाएं संप्रेषित की है। तथा यूपी में उनके नेतृत्व में कांग्रेस समूचे प्रदेश में सफलता के साथ कांग्रेस बुलंदियों के साथ आगे बढाने की उम्मीद की है। सभी ने उनको कांग्रेस के दायित्वों में वह सफल होंगे। देश में परिवर्तन करने के लिए अहम भूमिका अदा करेंगे और शीघ्र कांग्रेस की उत्तर प्रदेश में गठन कर सभी वर्गों के लोगों को कांग्रेस के बेनर तले संगठित खड़ा करने की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं संप्रेषित की है।

ओबीसी महासभा ने गाँव- गाँव जा कर आंदोलन मे सम्मिलत होने के लिए पीले चावल बांटे

कालीचरण भारतीय छतरपुर जिला संवाददाता

छतरपुर। ओबीसी महाभा को 3 अक्टूबर को विशाल आंदोलन की तैयारी करते हुए राजनगर विधानसभा के युवा तेज तर्राट नेता बहन कु. रानी रैकवार ने दर्जनों गाँव ङ्क गांव जा कर लोगो आंदोलन मे एक जुट होने के लिए अनु.जाति , जन जाति , पिछड़ा वर्ग को आने के लिए आव्हान किया..एवं आंदोलन मे आने के लिए पीले चावल बांटे साथ हीं ओबीसी वर्ग, दलित, आदिवासी पर आत्याचार अन्याय हो रहा है। जिससे महासभा सबकी लड़ाई लड़ने जा रही है । किसान वर्ग

मौसम की मार से मर रहा है। कोई नेता उनकी आवाज नही उठा रहा बरसात मे किसानों की फ़सले चौपट हो गई है । किसानों की कोई भी नेता सुध नही ले रहे है तथा आज वह चुनाव जितने के बाद शासन सत्ता मे बैठ कर अन्नदाता को अपने हाल पर मरने को छोड़ दिया गया है। ऐसे मे हमारा ओबीसी महासभा बेचारे किसानों की लड़ाई लड़ेगा उन्हे उचित मुवाजवा के लिए गूंगी बहरी सरकार के खिलाफ बिगुल फुकेगी.. गाँव गांव जा जा कर बसपा के राजनगर विधानसभा के पूर्व प्रत्यासी विनोद पटेल , ओबीसी महासभा के किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष चरण सिंह पटेल , इंजी. उमा शंकर लदौरिया किसान् मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष, कमलेन्द्र सिंह पटेल कार्यकारणी प्रदेश अध्यक्ष सतना , राजू पेटल , मुस्ताक खान ,मुकेश पटेल घूरा सहित जिला मीडिया प्रभारी कालीचरण भारतीय खजुराहो सहित ओबीसी समर्थक उपस्तिथ रहे।

अखिल भारतीय रैगर महासभा के नेतृत्व में बैठक सम्पन्न, महासभा को मजबूत करने हेतु लिए गए निर्णय।

रामलाल रैगर, झालावाड़ राजस्थान। अखिल भारतीय रैगर महासभा के नेतृत्व में दिनांक 09/10/2022 जयपुर विद्याधर नगर स्टेडियम परिसर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय रैगर महासम्मेलन का व महासभा का गाँव- गाँव प्रचार- प्रसार करने तथा महासभा के नये सदस्य बनाने क़ो लेकर जयपुर ग्रामीण द्वारा संचालित महासभा आपके गाँव अभियान के तहत ग्राम/कस्बा रेनवाल जिला जयपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. के. मोहनपुरिया,राष्ट्रीय उपसचिव सुखदेव जी अटल,जयपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष गुलाबचंद बारोलिया, तहसील अध्यक्ष गोपाल लाल गहनोलिया,प्रशासनिक अधिकारी मनोहर बली, गंगाराम नोगिया मीटिंग में भाग लेकर महासम्मेलन में आने हेतु आव्हान किया सभी लोगों ने महासम्मेलन मे ज्यादा से ज्यादा आने का आश्वासन दिया व कई नये सदस्यों ने महासभा की सदस्यता ग्रहण की।

– ऐडवोकेट गुलाब चन्द बारोलिया जिला अध्यक्ष जयपुर ग्रामीण

तहसीलदार पर एफआईआर दर्ज कराने को लेकर पटवारी लामबंद

युवा प्रदेश ❑ गंजबासौदा

7 नटेरन तहसीलदार पर एफआईआर दर्ज कर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग को लेकर तहसील के पटवारियों ने नारेबाजी की और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन दिया। इसमें कहा गया है तहसीलदार द्वारा पटवारियों के साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है। मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। पटवारी अंकित वधावन ने तहसीलदार को अवकाश लेने हेतु आवेदन दिया था। लेकिन उन्होंने स्वीकृत नहीं किया। इससे मानसिक दबाव होने के कारण घर लौटते समय पटवारी की आकस्मिक दुर्घटना से जान चली गई। इस घटना से संपूर्ण पटवारी वर्ग में रोष व्याप्त है। कलेक्टर से तहसीलदार सत्यनारायण सोनी पर एफआईआर दर्ज कराने और उनके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की मांग की। साथ ही मांग करते हैं शासन के दिए गए आदेश व पटवारी संघ भोपाल के आह्वान पर तहसीलों में पटवारी द्वारा दिए गए ज्ञापन के अनुसार किसी भी पटवारी को अवकाश के दिनों में कार्य करने के लिए बाध्य नहीं किया जाए।

अखिल भारतीय रेगर महासभा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम।

संवाददाता राम लाल रेगर झालावाड़

सामोद/जयपुर। अखिल भारतीय रेगर महासभा के नेतृत्व में दिनांक 09/10/2022 जयपुर विद्याधर नगर स्टेडियम परिसर में आयोजित होने वाले अखिल भारतीय राष्ट्रीय रेगर महासम्मेलन को लेकर ग्राम सामोद सम्मानित समाज बंधुओं ने मिलकर महा सम्मेलन के पोस्टर विमोचन किया और सम्मेलन में आने के लिए सम्मेलन में भारी संख्या में रेगर बंधुओं को ले जाने के लिए बसोका विचार विमर्श किया पोस्टर विमोचन दौरान कालूराम सेठी रामेश्वर पिगोलिया किशोर जी कसैटिया हनुमान सहाय हंसराज सब्बल लेखराज पिगोलिया राजेंद्र सबलानिया रोहित सबल जगदीश संबल रैगर समाज के आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वसहायता समूहो के सदस्यों से राशन वितरण की कार्यवाही क्रियान्वित करें: कलेक्टर

युवा प्रदेश ❑ विदिशा

कलेक्टर उमाशंकर भार्गव ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिले में आयुष्मान कार्ड के पात्रताधारियों के लिए 31 अक्टूबर तक आयुष्मान भारत निरामय योजना के शत प्रतिशत कार्ड का वितरण कराया जाना सुनिश्चित हो। इस कार्य में तेजी लाने के लिए उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एके उपाध्याय को आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि खण्ड स्तरीय स्वास्थ्य अमले को अधिक से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी करने के कार्यो में संलग्न किया जाए। कलेक्टर भार्गव ने सभी सीएचओ को शहरी क्षेत्र में आयुष्मान कार्ड जारी करने की जबावदेंही सौंपने के प्रबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। कलेक्टर भार्गव ने सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज आवेदनों की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि जिले में संतुष्टि का लेबल अन्य जिलो की अपेक्षा पीछे रहता है इस कारण से विदिशा जिला प्रदेश स्तरीय जारी होने वाली जिलो की सूची में टॉप फाइव में शामिल नही हो पाता है अत: सीएम हेल्पलाइन के निराकृत आवेदनो का संतुष्टिपूर्वक जबाव दाखिल हो ताकि संतुष्टि का लेबल प्रदेश स्तर पर टॉप टेन जिलो में शामिल हो सकें। उन्होंने जो विभाग डी ग्रेड सूची में शामिल है।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक–नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

अहिरवार समाज संघ म प्र की बैठक हुई संपन महापुरषों के मार्ग पर चलने का लिया निर्णय।

युवा प्रदेश ❑ भोपाल।

रामगोपाल अहिरवार ने स्वयं के घर पर अहिरवार समाज संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष माधौ सिंह अहिरवार की पहल पर मुहोल्ले के अहिरवार समाज को एकत्र कर दिनांक 2 अक्टूबर की रात नो बजे छावनी पठार रायसेन रोड भोपाल में स्वयं के घर पर समाज एकता हेतु बैठक आयोजित की। बैठक के मुख्य अतिथि अससं म प्र के संस्थापक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रभारी, चौधरी अमान सिंह नरवरिया से नि. टी. आई. पुलिस , विशेष अतिथि भोपाल जिला उपाध्यक्ष बालकिशन अहिरवार, रविदास मंदिर छावनी पठार समिति के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह अहिरवार कोषाध्यक्ष वीरू अहिरवार जी अध्यक्षता माधौ सिंह अहिरवार जी ने की। बैठक में उपस्थित वृद्ध, नवयुवाओं की उपस्थिति करीब पचास से अधिक रहीं। सभी का परिचय हुआ लोगों ने अपने-अपने उद्गारों में एक जुट होकर रहने की बात रखी। साप्ताहिक बैठक रविवार को रखी जाने का तय किया। जिला उपाध्यक्ष भोपाल ने विश्वास दिलाया कि अन्याय अत्याचार के खिलाफ कार्रवाई करने वह समाज के साथ हैं। देवेन्द्र सिंह ने शिक्षा पर बल देते हुए बच्चों को पढ़ाने को लेकर समझाया। नशा मुक्ति अभियान चलाने को कहा। संस्थापक ज़ी ने अंधविश्वास रूढ़ियों परम्परागत पंचायत हत्या दोष, निवारण और अपनें महापुरुषों की पहचान व उसके बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाया। अध्यक्षीय भाषण में माधौ सिंह अहिरवार ज़ी ने गुरु रविदास जी की वाणी पर चलने बाबा साहेब आंबेडकर जी के बताए मार्ग पर चलने अपने पुरखों को याद रखने और एक जुट होकर रहने पर बिस्तार से संवोधित किया। आभार रामगोपाल अहिरवार ने किया। अगली बैठक में अहिरवार समाज संघ म प्र भोपाल जिला की छावनी पठार पंचायत ईकाई का गठन किया जाएगा बैठक का मुख्य उद्देश्य रहा।

सँयुक्त किसान मोर्चा गाडरवारा

3 अक्टूबर को केंद्र सरकार की अर्थी निकालकर फूंका जाएगा पुतला।

■मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल मोबाइल 8878054839

■क्षेत्रीय सांसदों के नाम एस डी एम को सौंपा जाएगा ज्ञापन

गाडरवारा। जिला नरसिंहपुर
स्थान-शांतिदूत चौराहा गाडरवारा
समय-2बजे दोपहर

3अक्टूबर2022को लखीमपुर खीरी के4 किसानों एवं एक पत्रकार की शहादत को एक साल पूरा होने पर देश भर में इस दिन शहीद किसानों एवं पत्रकार को श्रद्धांजलि दी जाएगी।इसी के साथ हत्त्या के साजिशकर्ता केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टैनि के अब तक मंत्री पद पर बनाये रखने, बेगुनाह किसानों को जेल में बंद रखने, घटना में पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद और नोकरी देने के बायदे से मुकर जाने के के खिलाफ बिरोध प्रदर्शन के तहत केंद्र सरकार की अर्थी निकालकर पुतला दहन किया जाएगा। साथ ही इसी दिन क्षेत्रीय सांसदों के नाम एस डी एम गाडरवारा के द्वारा एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा संयुक्त किसान मोर्चा की स्वीकृत मांगों को पूरा करने में लगातार हो रही उपेक्षा ङ्क संसद में कार्रवाई की मांग करतेहुये उल्लिखित किया जाएगा जिसमे वर्ष 2020-21 में दिल्ली में हुए 383 दिन के ऐतिहासिक किसान आंदोलन को संयुक्त किसान मोर्चा ने सरकार द्वारा किसानों की सभी लंबित मांगों को पूरा करने के लिखित आश्वासन के बाद वापस लिया था। इसमें

(1) एमएसपी को कानूनी रूप से लागू करने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा की भागीदारी के साथ एक कानूनी मसौदा तैयार करने और पारित करने के लिए एक समिति का गठन

(2) संसद में पेश करने से पहले विद्युत संशोधन विधेयक पर संयुक्त किसान मोर्चा से परामर्श

(3) किसानों और उनके नेताओं के खिलाफ आंदोलन के लिए दर्ज किए गए सभी मामलों की वापसी

(4) आंदोलन के दौरान अपनी जान गंवाने वाले किसानों को मुआवजा और

(5) किसानों पर पराली जलाने के लिए लगाए गए जुर्माना को कानून से हटाना शामिल है।

हालांकि केंद्र सरकार द्वारा दिए हुए इन आश्वासनों को लगभग 10 महीने बीत चुके हैं, लेकिन एक भी मांग को पूरा नहीं किया गया है। इससे देश के किसानों में व्याकुलता पैदा हो रही है और किसानों को झूठा आश्वासन देने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ एक और आंदोलन शुरू करने के लिए कई हलकों से मांग की जा रही है। ज्ञापन के माध्यम से सांसदों से मांग की जाएगी कि एक सांसद के रूप में आप अपने निर्वाचन क्षेत्र के सभी किसानों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसलिए हम आपको यह ज्ञापन सौंपते हैं और आपसे अनुरोध करते हैं कि केंद्र सरकार द्वारा किसानों को दिए गए आश्वासनों को पूरा न करने के मुद्दे को संसद में अविलम्ब उठाएं और आश्वासनों को तुरंत पूरा करने के लिए केंद्र सरकार को बाधित करें। हमें विश्वास है कि आप किसानों की ओर से दृढ़तापूर्वक अपनी बात रखेंगे और किसानों के हितों को आगे बढ़ाने की पूरी कोशिश करेंगे।यदि सांसद महोदय किसान हितैसी हैं तो जरूर किसानों की आवाज

संसद में उठाकर किसान हित में कानून बनवाएंगे।

समस्त किसान मजदूर भाइयो से अपील है अधिक से अधिक संख्या में 2 बजे दोपहर गाडरवारा शांतिदूत चौराहा पहुचकर अपने हक के लिये आवाज बुलंद करें।

नर्मदापुरम होशंगाबाद के कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग जिलाध्यक्ष बने अजय अहिरवाल बधाईओं का तांता।

मूलचन्द
मेधोनियाभोपाल मोबाइल
8878054839

भोपाल। अहिरवार समाज के चमकते सितारे प्रदेश और देश में अहिरवार समाज संघ का परचम लहराने वाले इटारसी निवासी जिला होशंगाबाद /नर्मदापुरम के श्री अजय अहिरवाल जी को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री कमलनाथ जी के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश अनुसूचित जाति कांग्रेस विभाग भोपाल के प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रदीप अहिरवार जी सदस्य अनुसूचित जाति आयोग राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त ने अनुसूचित जाति कांग्रेस संगठन का विस्तार करते हुए और नव गठन करते हुए होशंगाबाद के नवयुवकों में एवं अनुसूचित जाति और जनजाति वर्गों में अपनी जमीन पकड़ रखने वाले श्री अजय अहिरवाल जी को जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। गौरतलब हो कि अजय जी होशंगाबाद और अन्य जिलों के कांग्रेस प्रभारी का भी कुशल दायित्व निभा चुके। तथा अनुसूचित जाति की समस्याओं को, मुद्दों को लेकर सक्रिय रहते हैं, साथ ही देश में रविदास वंशीय अहिरवार समाज के महान राजा चमारदल के पुरातत्व व इतिहासिक संरक्षण व राष्ट्रीय पर्यटन के आन्दोलन चलाने के लिए काफी संघर्षशील है। मध्यप्रदेश के अनेक सामाजिक संगठनों, उनके शुभचिंतकों, मित्रों की ओर से उन्हें निरंतर बधाईयाँ और शुभकामनाएं दी जा रही है। मध्यप्रदेश के अनुसूचित जाति के वरिष्ठ नेता और सामाजिक सेवकों में श्री हेमंत नरवरिया जी, रमेशचंद्र बकोरिया जी, महेश नंदमेहर जी, मूलचन्द मेधोनिया जी, धर्मेंद्र खटीक जी, कौशल प्रसाद अहिरवार जी, चन्द्रभान खेमरे जी,इत्यादि नेताओं उन्हें जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री अजय अहिरवाल जी के नेतृत्व में होशंगाबाद जिला का शीघ्र मजबूत संगठन व गठन किया जाएगा जो कि मध्यप्रदेश की आगामी विधानसभा चुनाव 2023 में जिला में कांग्रेस का इतिहासिक कार्य होने की संभावना है। जिला नरसिंहपुर के चीचली नगर के अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया की ओर से श्री अजय अहिरवाल जी के उज्जवल भविष्य की कामना की गई है।

झालावाड़ एआईएमआईएम टीम की ओर से चलाए जा रहे सदस्यता अभियान

झालावाड़। एआईएमआईएम टीम की ओर से चलाए जा रहे सदस्यता अभियान मैं वार्ड 1 की टीम का किया गठन टीम के संयोजक फैजान खान की अनुपस्थिति में सह संयोजक आसिफ पठान के नेतृत्व मैं वार्ड के संयोजक ङ्क हाशिम खान

सह संयोजक-अब्दुल कलाम, रईस भाई
मीडिया प्रभारी-शादाब खान, फैजल मंसूरी
संगठन प्रभारी-सोहेल खान

को किया गया नियुक्त व मेंबर फिरोज खान, बाबू खान, मतीन खान, इदरीश मोहम्मद, अरबाज खान, आदिल खान, नौशाद खान, शहादत अली, रेहान ,इमरान खान, पेंटर राजा, समीर खान, फारूक अली, सोनू खान , आदि मौजूद रहे कोर टीम के सह संयोजक आसिफ पठान ने वार्ड की टीम को मेंबरों को जोड़ने वह वार्ड वासियों की समस्याओं का निवारण करने के ऊपर जोर दिया

नरसिंहपुर जिला प्रशासन के आदेश से ग्राम पंचायतों में रात्रि में भी बन रहे आयुष्मान कार्ड

मूलचन्द मेधोनिया भोपाल मोबाइल
8878054839

गाडरवारा। साईखेड़ा जनपद के अंतर्गत ग्राम पंचायत बनबारी में रोजगार सहायक संतोष अहिरवार ने बताया कि जिला प्रशासन के आदेश अनुसार ग्राम में प्रत्येक नागरिक के आयुष्मान कार्ड का निर्माण किया जाना है जिसके लिए रात्रि में कैंप लगाकर आयुष्मान कार्डो का निर्माण किया जा रहा है। जिससे शासन की महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ आम आदमी को विभिन्न निजी अस्पतालों से मिल सकेगा। उक्त कार्य में तत्परता दिखाते हुए इस समय चल रहे नवरात्रि पर्व में पंडाल पंडाल जाकर भी लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इस तरह से यह प्रथम नवाचार कहा जा सकता है कि जहां लोगों को शासन की योजनाओं के लिए लगने वाले दस्तावेजों का निर्माण उनकी सुविधा अनुसार उनके पास जाकर किया जा रहा है। बनवारी ग्राम पंचायत की इस अनुकरणीय पहल का सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। साथ ही ग्राम पंचायत के सचिव आशाराम रजक द्वारा लोगों को आयुष्मान कार्ड से संबंधित लाभ बताए जा रहे हैं । जिला प्रशासन में जिला कलेक्टर रोहित सिंह,जिला पंचायत सीईओ संजय सोनवडे,एसडीएम गाडरवारा सृष्टि जयंत देशमुख,जनपद पंचायत साईखेड़ा सीईओ आयुष अग्रवाल,नोडल आयुष्मान कार्ड संत लाल डेहरिया आदि सभी के मार्गदर्शन में इस तरह से कार्य किया जा रहा है। जिसकी आम जनमानस में चर्चा और प्रशंसा हो रही है।

जन आवाज़ मंच का संगोष्ठी कार्यक्रम हुआ संपन्न।

युवा प्रदेश ❑ भोपाल।

जन आवज़ मंच भोपाल मप्र के तत्वाधान में कार्यक्रम संभागीय संगोष्ठी कार्यक्रम स्थानीय वृंदावन गार्डन सागर में हुआ संपन्न कार्यक्रम के दौरान सागर के कुछ राजनेतिक दवाव के चलते वअचानक स्थानीय पुलिस एवं तहसीलदार सागर पहुंचे एवं उनके द्वारा किए गए आग्रह पर कार्यक्रम को सीमित समय में संपन्न हुआ उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिनेश शर्मा प्रदेश संयोजक संयुक्त मोर्चा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विशिष्ट अतिथि नितिन शुक्ला संभाग अध्यक्ष रोजगार सहायक संघ विशिष्ट अतिथि दिनेश मालवीय प्रदेश अध्यक्ष प्रधान मंत्री आवास योजना समन्वयक संघ एडवोकेट रामेश्वर सिंह ठाकुर अधिवक्ता मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर विधि सलाहकार जन आवाज मंच जन आवाज मंच के प्रदेश अध्यक्ष लीलाधर अहिरवार रेखा राजपूत सामाजिक कार्यकर्ता सागर जिला अध्यक्ष अभिनव श्रीवास ,हीरालाल चौधरी पूर्व अजाक्स जिला अध्यक्ष , अजाक्स जिला अध्यक्ष गजेंद्र वोहत,सहित तमाम संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे मंचासीन अतिथियों का स्वागत जन आवाज मंच के जिलाध्यक्ष अभिनव श्रीवास्तव आरा किया गया मुख्य अतिथि दिनेश शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनाब आज मंच सभी संवर्ग की मांगों को शासन प्रशासन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है आगामी कार्यक्रम पुनः सागर में आयोजित होगा जिसमें सभी संवर्ग के लोग रहेंगे इस दौरान सी आर पी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सीताराम प्रजापति,संदीप ठाकुर जगन्नाथ गौर ,जिला अध्यक्ष सचिव संघ रामजी दुबे, जिला उपाध्यक्ष सचिव संघ सत्येंद्र तिवारी जिला अध्यक्ष अतिथि संघ श्री राम सेन, गोवर्धन पटेल संदीप गुप्ता राजेश अहिरवार गोविंद लोधी ,सत्येंद्र राजपूत संजना कुर्मी डॉ कमलेश अहिरवार, डॉ प्रहलाद अहिरवार, हरिदास अहिरवार,सहित सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

इनका कहना शासन प्रशासन द्वारा आज जो यह कार्यवाही किया गया है यह अनुचित है संविधान के मौलिक अधिकारों का हनन है हम सब संगठन मिलकर के आगामी कार्यक्रम फिर करेंगे फिर देखते हैं कि सरकार हमारी आवाज को किस प्रकार दबाती है

■ दिनेश शर्मा
प्रदेश संयोजक संयुक्त मोर्चा
पंचायत एवं ग्रामीण विकास

संविधान के अनुच्छेद 19 1 के तहत प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार प्राप्त है कि वह विचार गोष्ठी संगोष्ठी इत्यादि कर सकता है परंतु आज जो जन आवाज मंच सागर के कार्यक्रम में हुआ वह प्रशासन का अशोभनीय रवैया है मैं इसकी घोर निंदा करता हूं

■ रामेश्वर सिंह ठाकुर अधिवक्ता
मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय
विधि सलाहकार जन आवास मंच

अखिल भारतीय रेगर महासभा के तत्वाधान में महासम्मेलन जयपुर चलो ।

झालावाड़। विद्याधर नगर स्टेडियम जयपुर में आयोजित होने जा रहे 7वें राष्ट्रीय रेगर महासम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में व्यक्तियों को शामिल करने के लिए अखिल भारतीय रैगर महासभा झालावाड़ का डोर टू डोर कलेक्शन और जनसंपर्क लगातार जारी है। लोगो में सम्मेलन के प्रति भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। झालावाड़ जिले से 3 बसे दिनांक 8 अक्टूबर को रात्रि 9:00 बजे खेल संकुल झालावाड से जिला अध्यक्ष बद्रीलाल तोणगरिया के नेतृत्व में रवाना की जाएगी। जिलाध्यक्ष ने समाज बन्धुओ से जयपुर सम्मेलन में शामिल होने की अपील की। इस मौके पर समाज के मोहनलाल तोणगरिया, रमेश चंद्र व्याख्याता, राधेश्याम अध्यापक, राधेश्याम चंदोलिया, मनोहरलाल अध्यापक, घनश्यामलाल बिरदी बजेपुरिया, बाबूलाल रीडर, कन्हैयालाल एसआई, हरजीलाल अध्यापक, धनराज अध्यापक, मांगीलाल एलडीसी, बाबूलाल व्याख्याता, किशन गोपाल अध्यापक, बीरमचंद, शिवराज तोणगरिया, मीडिया प्रभारी पत्रकार रामलाल रेगर, लटूरलाल एलडीसी, दिनेश कुमार, सुरेश कुमार, कन्हैयालाल अध्यापक सहित बड़ी तादाद में रेगर समाज के लोग उपस्थित रहे।

तलवा चांटु

मनुवादी विचारों पर चलने वाले
मनुवादियों के अंग है।
दिखावा करते हैं ऐसे लोग कि वे
बहुजनो के संग है।
चाल, चेहरा, चरित्र ऐसे
लोगों का दिख जाता है
कभी ना कभी वे अपनी
सच्चाई लिख जाता है,
इंसान के शक्ल में वे
आस्तिन में छुपे भुजंग है
मनुवादी विचारों पर चलने वाले
मनुवादियों के अंग है।
दिखावा करते हैं ऐसे लोग
वे बहुजनो के संग है,
खरबूजे को देखकर
खरबूजा रंग बदलता है
समाज के दलाल लोगो का
हरकत ऐसे ही रहता है,
छुपाते हसरत अपनी, फिर
खुलकर दलाली करता हैं,
जिन्हे अपना विरोधी बताते
उनके ही तलवे चाटता है,
कोई रंग नहीं चढता इन पर
उसका जिंदगी बदरंग है
मनुवादी विचारों पर चलने वाले
मनुवादियों के अंग है।
इनका पोल जब खुल जाता है
बेशर्मी पर भी उतर आता है
गधे को भी बाप बना लें
थूका हुआ चांट लेता है
करके चमचागिरी भी,
उसके चेहरे पर उमंग है।
मनुवादी विचारों पर चलने वाले
मनुवादियों के अंग है।
दिखावा करते हैं ऐसे लोग कि
वे बहुजनो के संग है,,।

-हरीश पांडल
विचार क्रांति
छत्तीसगढ़

तीस फीट ऊंचे रावण के साथ ही कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का होगा दहन

❑ सिरोंज

विजयादशमी पर इस बार भी रावण दहन शहर के नया बस स्टैंड पर होगा। हिन्दू उत्सव समिति द्वारा यहां पर 30 फीट ऊंचे रावण का पुतला तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का निर्माण भी समिति द्वारा करवाया जा रहा है। कोरोना काल के कारण बीते दो साल से रावण दहन कार्यक्रम कई तरह के प्रतिबंधों और सुरक्षा के बीच आयोजित किया जा रहा था। इस बार कोरोना का डर लगभग खत्म हो गया है। जिसके चलते नागरिकों में भी रावण दहन को लेकर खासा उत्साह बना हुआ है। इसी को समझते हुए हिन्दू उत्सव समिति द्वारा उत्सव की भव्यता को

कायम रखते हुए तैयारियां की जा रही है। हर साल की तरह रम्मू प्रजापति और उनकी टीम द्वारा बस स्टैंड पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतलों का निर्माण किया जा रहा है। समिति द्वारा कुछ वर्ष पूर्व पुतलों के ढांचे का स्थाई निर्माण करवाया था। लोहे से बने इन ढांचों की रिपेयरिंग के बाद उनमें घास-फूस और अन्य सामग्री भर पुतलों का रंगरोगन किया जाता है। तीन दिन से यह काम किया जा रहा है। हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष ओम सोनी ने बताया कि विधायक उमाकांत शर्मा के मार्गदर्शन में उत्सव की तैयारियां की जा रही हैं। हर साल की तरह इस साल भी नागरिकों को रावण दहन के दौरान राघौगढ़ की रंगारंग आतिशबाजी भी देखने को मिलेगी। उत्सव की तैयारियों को लेकर हमने एसडीएम, पुलिस और नपा को पत्र भी सौंप दिए हैं। उत्सव की तैयारियां कटरा मोहल्ले में भी की जा रही है। क्षेत्र की व्यवस्था संभाल रहे तोषमणि पंथी ने बताया कि भगवान की सवारी की तैयारियां अंतिम चरण में है। पात्रों को प्रसंगों से अवगत करा दिया है। दशहरे के दिन कटरा मोहल्ले से श्री राम की सवारी शुरू होगी। जो मुख्य बाजार से होते हुए दशहरा मैदान तक पहुंचेगी। यहां पर भगवान रात 9 बजे रावण वध करेंगे। प्रशासन द्वारा रावण दहन के लिए पूर्व में तालाब के पास स्थित मैदान का चयन किया गया था। दो साल पहले इसी मैदान को दशहरा मैदान बनाने का निर्णय लेते हुए यहां रावण दहन किया गया था। इसके बाद पिछले साल और इस साल भी इस मैदान में बारिश का पानी भरा हुआ है। मैदान सूखने की कोई संभावना दिखाई नहीं दे रही। इस वजह से प्रशासन द्वारा नया बस स्टैंड पर रावण दहन करने का निर्णय लिया है।

तोता रटंत-समस्या ज्वलंत

शिकारी जंगल में आता है
जाल फैलाता है
दाने का लोभ दिखाता है
हमे जाल में नहीं
फंसना चाहिए ?
तोते ने अपने बच्चों को
शिकारी से बचने का
उपाय सुझाया था
बच्चों ने यह जुमला
रट डाला
किंतु तोते के बच्चों ने
केवल रटने के काम
में लाया था ?
रटने और समझने की
भुल ने, तोतों की
मुसीबत बढाया था
तोता निश्चित हो
दाना लाने उड़ चला
वापसी में देखा कि
बच्चे जाल में फंसे हुए थे
तोते की सीख को
रटे जा रहे थे
शिकारी बहुत खुश था
तोता बेचारा चुप था
ऐसा ही हाल हमारे
बहुजन समाज का हैं
तोता रटंत अपनाएं
हूए आज का है
महापुरुषों ने बहुत समझाया
उन्होंने सबको बहुत सिखाया
चमत्कार, पाखंड को
मत अपनाना
रुढ़िवादी परंपरा से
दुर ही रहना
महापुरुषों की सीख आज
तोता रटंत में
बदल गया है
बहुजन समाज आज
चमत्कार पाखंड
रुढ़िवादी परंपरा में
गले तक फंस गया है
बेचारा तोता अपने बच्चों को
शिकारी के जाल में फंसे
रटते हुए देख रहा है,आज भी
हमारे महापुरुष,हमे सामंतों
के जाल में फंसे
भक्ति चमत्कार में डुबे
भजन करते हुए
देख रहा है,आज भी,
तोते के बच्चों को
और
बहुजनो को नहीं आती
लाज भी
हम कल भी फंसे थे ?
हम आज भी फंसे हैं ?
आने वाले पीढ़ि को
मत फंसाओ
तोता रटंत से
उन्हे बचाओ

हरीश पांडल
विचार क्रांति

स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी ने गरबा कलाकारों को किया सम्मानित

❑ रायसेन

3 दिवसीय गरबा महोत्सव का समापन सोमवार रात को हुआ। आखरी दिन बड़ी संख्या में शहर के लोग गरबे शामिल हुए। वहीं प्रतिभागियों की संख्या भी ज्यादा रही। समापन पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने भी गरबे में शिरकत की। वहीं आयोजकों द्वारा मंच से 3 दिन में गरबे में सहयोग प्रदान करने वाले और समिति सदस्य सहित पत्रकारों को सम्मानित भी किया।

रायसेन के यशवंत गार्डन में पिछले 3 दिनों से दिव्य जीवनदान संस्था द्वारा अभिनव गरबा महोत्सव का आयोजन कराया जा रहा था। जिसमें पहले दिन ही शहर के 400 बालिका और महिलाओं ने गरबा खेला था। वहीं, दूसरे और तीसरे दिन यह संख्या और अधिक बढ़ गई थी। आखिरी दिन गरबा खेल रहे। बालिका और युवतियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ गरबा खेला इस गरबे में कोई उम्र का बंधन नजर नहीं आया। छोटी बालिकाओं से लेकर बुजुर्ग महिलाएं तक गरबे में शामिल थी। थाना प्रभारी आशीष सप्रे भी गरबा महोत्सव के मंचासीन हुए और उन्होंने पत्रकारों और समिति के संस्थापक पंकज शर्मा दिव्या ताम्रकार को सम्मानित किया।

वहीं, समिति द्वारा भी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और थाना प्रभारी का फूल-मालाओं से स्वागत किया। वहीं, समिति के पंकज शर्मा द्वारा सभी गरबा प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने इस गरबा महोत्सव में शामिल होकर इस की शोभा बढ़ाई एवं इसमें चार चांद लगाए। आगे भी ऐसे आयोजन हमारे द्वारा किए जाएंगे।

सीएम राइज विद्यालय में जिला स्तरीय जैव विविधता क्विज का आयोजन हुआ

❑ विदिशा

सीएम राईज विद्यालय बरईपुरा में आज सोमवार को जिला स्तरीय जैव विविधता क्विज का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को उनके आसपास व्याप्त जैव जगत जंतुओं एवं पौधों की जानकारी प्राप्त हो सके इस दिशा में मध्यप्रदेश जैव विविधता बोर्ड एवं लोक शिक्षण संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में जैव विविधता क्विज का आयोजन किया गया था। जैव विविधता क्विज का उद्देश्य विद्यार्थी उनके आसपास व्याप्त प्राकृतिक संपदा के असीमित भंडार को जान सकें ,पहचान सकें और इस संपदा के महत्व से परिचित हो सकें। इस हेतु बायोडायवर्सिटी क्विज का आयोजन सीएम राइस विद्यालय बरईपुरा में किया गया। विद्यालय की उपप्राचार्य डॉ दीप्ति शुक्ला ने बताया कि इस आयोजन में जिले भर के सात विकास खंडों से पहले आओ पहले पाओ के तर्ज पर कुल 50 टीमों का पंजीयन किया जाना था जिसमें प्रत्येक विद्यालय से कक्षा नवी से 12 वीं विद्यार्थियों को सहभागिता करनी थी।

संपादकीय

अंधविश्वास के अंधेरे

दिल्ली के लोधी कालोनी इलाके में जिस तरह अंधविश्वास के शिकार दो लोगों ने 'बलि' के लिए एक बच्चे को मार डाला, उससे साफ है कि विज्ञान और तकनीक की उपलब्धियों से रोशन शहरों में कैसे अंधविश्वास के अंधेरे पल रहे हैं।खबर के मुताबिक, बच्चे को मार डालने का आरोप जिन दो लोगों पर है, उन्होंने यह कबूल किया कि उन्होंने 'समृद्धि' हासिल करने के लिए बच्चे की हत्या कर दी। यों दिल्ली में हत्या जैसे जघन्य अपराध कोई नई बात नहीं हैं, मगर छह साल के बच्चे का सिर फोड़ कर और गला रेत कर मार डालने की इस घटना की कई परतें हैं।निश्चित रूप से इसे भी हत्या का अपराध माना जाएगा और दोषियों के लिए सजा भी कानून के ही मुताबिक ही तय की जाएगी। मगर महज किसी भ्रम या लालच को पूरा करने के लिए एक बच्चे की जान ले लेने की क्रूरता का खयाल किसी के भीतर कैसे आता है? यह बात आरोपियों के दिमाग में कहां से आई कि किसी बच्चे की बलि देने से उन्हें समृद्धि हासिल हो सकती है? इस घटना के आरोपी पकड़े गए, मगर क्या उनके दिमाग में यह अंधविश्वास भरने वाले व्यक्ति या स्रोत की भी कभी खोज की जाएगी?दरअसल, आम जनजीवन में ऐसी बहुत सारी बातें घुली-मिली हैं, जिन्हें लोग कई बार आस्था और विश्वास के नाम पर मानते चलते हैं। पर्व-त्योहार या रोजमर्रा के अभ्यास में कुछ बातें लोग सिर्फ इसलिए निभाते हैं कि परंपरा के मुताबिक वह एक रिवायत रही है। भले उसके पीछे कोई तर्क हो या नहीं या फिर वह अमानवीय ही क्यों न हो! उस पर कोई सवाल नहीं उठाया जाता।नतीजा यह होता है कि लोग रीति-रिवाज के नाम पर चलने वाली वैसी गतिविधियों में अगर सीधे शामिल नहीं भी होते हैं तो उसके मूकदर्शक होते हैं या फिर उसे नजरअंदाज करते हैं। धार्मिक कर्मकांडों के तहत 'बलि' भी एक ऐसी मिथ्या धारणा और क्रूर गतिविधि है, जो किसी मनोकामना के पूरा होने के भ्रम से जुड़ी है। पशु-पक्षियों की बलि को तो लोग बेझिझक देखते ही हैं, मगर ऐसी खोखली मान्यताओं की हद इससे समझी जा सकती है कि कोई व्यक्ति किसी मनुष्य की बलि तक को सहज मान ले।कल्पना की जा सकती है कि बलि के लिए हत्या करने वाले दोनों आरोपियों के दिमाग पर अंधविश्वास हावी होने के बाद उनका विवेक कैसे शून्य हो गया होगा और संवेदना मर गई होगी कि उन्हें छह साल के मासूम पर भी कोई ममता नहीं आई।

बढ़ते अपराध और असंतुलित होता समाज

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली पूरे देश में महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित शहर है। निर्भया कांड के दस साल बाद भी कोई खास सुधार या बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पिछले साल यानी 2021 में हर दिन दो नाबालिग लड़कियों से बलात्कार हुआ। हाल ही में प्रकाशित 'क्राइम इन इंडिया-2021' रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 2021 में बलात्कार, अपहरण और पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामलों में भी भारी वृद्धि देखी गई। दिल्ली के बाद मुंबई, बंगलुरु जैसे विकसित और स्मार्ट महानगरों का स्थान आता है, जहां इस तरह के अपराध अधिक होते हैं।

वैसे तो हमारे संविधान में लिखा है कि कानून की नजर में सभी समान हैं, लेकिन क्या वास्तव में यह सिद्धांत मूर्त रूप ले पाया है? समाज वैज्ञानिक फ्रैंक पीयर्स का मत है कि कानूनों का लाभ दिखने में ऐसा लगता है कि अधीनस्थ लोगों को मिलता है, जबकि वास्तव में यह शासक वर्ग का उपकरण है और उनके लाभ के लिए ही सक्रिय होता है। संभवत: यह भी एक कारण हो सकता है कि अपराध की दर में दिन-प्रतिदिन वृद्धि हो रही है।हाल ही में जारी राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार 2021 में महिलाओं के विरुद्ध प्रति घंटे उनचास अपराध दर्ज किए गए। यानी एक दिन में औसतन छियासी मामले दर्ज किए गए। 2021 में बलात्कार के 31,677 मामले दर्ज हुए, जबकि 2020 में यह संख्या 28,046 थी। इसी तरह अगर राज्यवार महिलाओं के विरुद्ध अपराध की दर देखी जाए तो राजस्थान (6,337) पहले स्थान पर है, फिर मध्य प्रदेश (2,947), महाराष्ट्र (2,496), उत्तर प्रदेश (2,845) और दिल्ली (1,250) हैं।महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में बलात्कार, हत्या के साथ बलात्कार, दहेज, तेजाब हमले, आत्महत्या के लिए उकसाना, अपहरण, जबरन शादी, मानव तस्करी, आनलाइन उत्पीड़न जैसे अपराध शामिल हैं। समाजशास्त्रीय दृष्टि से देखें, तो जब समाज में अपराध की दर असामान्य रूप से बढ़ने लगती है तो इसका स्पष्ट अर्थ होता है कि उस समाज के नागरिकों में सामूहिक भावनाओं के प्रति प्रतिबद्धता बहुत कमजोर है। यह भी तथ्य है कि ऐसे समाज में प्रगति और परिवर्तन की संभावनाएं कम हो जाती हैं। अपराध के कारणों में हम निर्धनता, बेरोजगारी, गैरबराबरी, शोषण, सांप्रदायिकता, दंगे-फसाद आदि की चर्चा कर सकते हैं।विशेषज्ञ मानते हैं कि अश्लील विज्ञापनों और नग्न प्रदर्शनों ने समाज में व्यभिचार को बढ़ावा दिया है। हर व्यक्ति रातोरात अकूत धन कमाना चाहता है, परिणामस्वरूप समाज में अपराध तेजी से बढ़ रहा है। संसाधनों का असमान वितरण, रोजगार के अवसरों की कमी, जाति और भाई भतीजावाद के आधार पर योग्यता की उपेक्षा आदि ऐसे पक्ष हैं, जो युवाओं/किशोरों को अपराध की ओर धकेलते हैं।आज के उपभोक्तावादी समाज में व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं को नहीं, बल्कि लालसाओं को पूरा करने पर बल देता है। और यह सच है कि आवश्यकताएं तो पूरी की जा सकती हैं, लेकिन लालच कभी समाप्त नहीं होता। अब अपराधियों को समाज या कानून का भय नहीं होता, क्योंकि नई तकनीक आने के बाद साइबर अपराध की घटनाएं भी बढ़ने लगी हैं। अपराधी अनेक छद्म पहचानों से आपराधिक गतिविधियों को आसानी से अंजाम देते हैं।सरकारी आंकड़ों के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली पूरे देश में महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित शहर है। निर्भया कांड के दस साल बाद भी कोई खास सुधार या बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पिछले साल यानी 2021 में हर दिन दो नाबालिग लड़कियों से बलात्कार हुआ। हाल ही में प्रकाशित 'क्राइम इन इंडिया-2021' रिपोर्ट के अनुसार राज्य में 2021 में बलात्कार, अपहरण और पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामलों में भी भारी वृद्धि देखी गई। दिल्ली के बाद मुंबई, बंगलुरु जैसे विकसित और स्मार्ट महानगरों का स्थान आता है, जहां इस तरह के अपराध अधिक होते हैं। विकसित और प्रगतिशील नगरों और राज्यों में अपराध की घटनाएं अधिक हो रही हैं, तो क्या यह तर्क दिया जा सकता है कि विकास और अपराध के बीच कोई सहसंबंध है। चूंकि आंकड़ों से ज्ञात होता है कि जिन नगरों में विकास अधिक हुआ है वहां अपराध की दर भी बढ़ी है।कुछ दिनों पहले झारखंड के दुमका की घटना ने फिर महिला सुरक्षा को लेकर सरकारों के दावों के सच को उजागर कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी लड़का लड़की से एकतरफा प्यार करता था और लंबे समय से युवती को परेशान कर रहा था। जब युवती से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसने रात को युवती के कमरे में खिड़की से पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। अगर यह प्यार है तो फिर नफरत की परिभाषा क्या होगी! आखिर यह कैसा समाज उभर रहा है जहां भावनाएं महत्त्वहीन या कहें कि अर्थहीन हो गई हैं। क्या भावना-रहित मानव की संकल्पना अस्तित्व में आ रही है। शायद हां, तभी मनुष्य मशीनों में भावनाएं ढूंढ़ और मनुष्य को मशीन में बदल रहे हैं। इसलिए अपराध करने वाला अपरिचित हो, इसकी संभावनाएं तुलनात्मक रूप से कम होती हैं। महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों में अधिकांशत: उनका अपना ही कोई नजदीकी या परिवार का सदस्य शामिल होता है (जैसे भाई, पिता, पुत्र, पति, ससुर, मित्र)। प्रत्येक सार्वजनिक मंच से महिला सुरक्षा के दावे तो किए जाते हैं, मगर यथार्थ में उन दावों को यथार्थ में बदलने के लिए कुछ खास नहीं किया जाता। यही कारण है कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को रोक पाना संभव नहीं हो रहा। कभी साक्ष्यों के अभाव में, कभी ढुलमुल न्यायायिक प्रक्रिया के कारण और कभी आर्थिक और राजनीतिक प्रभुत्व के कारण दोषी को सजा मिल ही नहीं पाती। ऐसे में कानून के भय का समाप्त होना स्वाभाविक है। यह भी एक तथ्य है कि वैश्वीकरण के बाद से धन और शक्ति का असमान वितरण तथा प्रौद्योगिकी का तीव्र विकास भी अपराध का महत्त्वपूर्ण कारण बन कर उभरा है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बलात्कार स्त्रीत्व का अपमान तो है ही, एक जघन्य अपराध भी है। इसे एक विरोधाभास ही कहा जा सकता है कि एक तरफ हम विश्व मंच पर महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता तथा विकास कार्यों में महिलाओं की समान सहभागिता जैसे मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं (या दिखावा कर रहे हैं), दूसरी तरफ महिलाओं के विरुद्ध बढती हिंसा और दुर्व्यवहार के मामलों पर मौन संस्कृति के पक्षधर बने हुए हैं। एक तरफ नवरात्रि में कन्याओं का पूजन किया जाता है, उनकी पूजा करके उनसे सुख समृद्धि की कामना की जाती है और दूसरे ही दिन किसी कन्या के साथ दुर्व्यवहार करके उससे जीने का अधिकार ही छीन लिया जाता है इसे (पुरुष) समाज का दोहरापन ही कहा जा सकता है। महिला, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग के संदर्भों में क्यों संविधान की परिभाषा बदल जाती या बदल दी जाती है? अगर कानून, संविधान और न्यायालय जैसी सामाजिक नियंत्रण की संस्थाएं भी पूर्वाग्रहों से निर्देशित होती हैं तो कैसे संभव है कि इन अपराधों को रोका जा सके या फिर महिलाओं, दलितों और अल्पसंख्यकों का कोई अलग संविधान निर्मित करना होगा? अपराध किसी भी प्रकार का हो या किसी के प्रति भी हो हर स्थिति में समाज में विघटन और बिखराव ही उत्पन्न करता है। यह सच है कि अपराध को समाज से पूर्णत: समाप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि समाज द्वंद्वात्मकताओं से निर्मित एक यथार्थ है, लेकिन कानून के समक्ष सभी नागरिकों की समानता को तो स्थापित किया ही जा सकता है।

यूपी में कांग्रेस के नये अध्यक्ष खुद अपना चुनाव दो बार से हार रहे हैं, वह पार्टी को कैसे खड़ा कर पाएंगे

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उत्तर प्रदेश में दलित नेता को अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस की नजर मायावती के वोटबैंक पर है। पिछले कुछ चुनाव में बीएसपी से दलित वोट बैंक छिटका है, जिस पर अब कांग्रेस ने नजरें गड़ा ली हैं। कांग्रेस के रणनीतिकारों पर तरस आता है। ऐसा लगता है कि उनको राजनीति की एबीसीडी भी नहीं मालूम है। एक तरफ राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव चल रहा है तो दूसरी तरफ उसने उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष सहित 6 प्रांतीय अध्यक्षों के नाम की घोषणा कर दी। जब 6 महीने से प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी खाली पड़ी हुई थी तो कुछ दिन और रुक के पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो जाने के बाद प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष और प्रांत अध्यक्षों के नामों की घोषणा की जाती तो कौन-सा पहाड़ टूट पड़ता। यही परंपरा भी रही है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होने के बाद ही प्रदेश अध्यक्षों के नाम तय किए जाते हैं। लेकिन कांग्रेस तो तानाशाही रूप से फैसले लेने के लिए ही जानी जाती है।खैर, कांग्रेस ने दिल्ली और उत्तर प्रदेश दोनों ही जगह दलित नेता को पार्टी का अध्यक्ष बना दिया है। कांग्रेस का यह प्रयोग 2024 के लोकसभा चुनाव में कितना सफल होगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन यह कहा जा सकता है कि गांधी परिवार ने जिस दलित नेता को राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की कमान सौंपी है वह खाटी कांग्रेसी नेता हैं। पार्टी में उनकी अपनी पहचान है। लेकिन पार्टी आलाकमान ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष ऐसे नेता को बना दिया जिसका पार्टी के अंदर कोई खास पुराना इतिहास नहीं है। मात्र 6 साल पहले बसपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वाले नवनियुक्त कांग्रेस अध्यक्ष पिछली दो बार से अपना ही विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाए हैं। नवनियुक्त कांग्रेस अध्यक्ष की बस यही योग्यता है कि वह दलित बिरादरी से आते हैं।दलितों पर बसपा की कमजोर पकड़ का अहसास होने के बाद सपा हो या कांग्रेस, सभी दलितों को लुभाने में लगे हैं। वहीं भाजपा भी इसमें पीछे नहीं है। वैसे तो उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर बृजलाल खाबरी की नियुक्ति 2024 के लोकसभा चुनाव को देखकर हुई है लेकिन इससे पहले उन्हें 2 महीने के भीतर होने वाले नगर निकाय चुनाव में भी अपनी काबिलियत सिद्ध करना होगी। उत्तर प्रदेश के तमाम चुनावों में कांग्रेस का जिस तरह का लचर प्रदर्शन रहा है उसको देखते हुए खाबरी के लिए राह आसान नहीं है। यूपी में कांग्रेस राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित तमाम दिग्गज नेताओं को अपना चुकी है, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी है।बहरहाल, 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में सियासी हलचल तेज हो गई है।

विजयदशमी पर करें 2 पौधों की पूजा

दशहरा का शास्त्रों में विशेष महत्व है। इस दिन श्री राम ने लंका पति रावण का वध किया था। दशहरा को विजयदशमी या दशईं के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन देशभर में रावण का प्रतीकात्मक रूप बनाकर दहन किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार दशहरा पर कुछ पेड़ों की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। साथ ही इन पेड़ों की पूजा से जीवन में धन- समृद्धि का वास रहता है और शत्रुओं पर विजय हासिल होती है। आइए जानते हैं इन पेड़ों के बारे मेंशमी के पेड़ की करें पूजाज्योतिष शास्त्र में पेड़ों की पूजा करने का विशेष महत्व बताया गया है। साथ ही पौधों की जड़ हाथ में बांधने से ग्रहों के अशुभ फल से मुक्ति मिल सकती है। जैसे शमी के पेड़ का संबंध शनि देव से माना जाता है और इसकी पूजा करने से शनि दोष से भी मुक्ति मिलती है। वहीं लंका पर विजयी पाने से पहले श्रीराम ने शमी पूजन किया था। साथ ही नवरात्र में भी मां दुर्गा का पूजन शमी वृक्ष के पत्तों से करने का विधान है।

मान्यता है कि दशहरे के दिन अगर शमी के पेड़ की पूजा की जाए तो धन में वृद्धि होती है और शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। इसलिए दशहरे के दिन शमी के पेड़ की पूजा करनी चाहिए। पूजा शाम को करना विशेष फलदायी रहेगा।अपराजिता के पेड़ की करें पूजाशास्त्रों में अपराजिता का पौधा बहुत शुभ माना गया है। मान्यता है कि अपराजिता बेल में मां लक्ष्मी निवास करती हैं। जिससे धन में वृद्धि होती है। वहीं अपराजिता पेड़ या फूल को देवी अपराजिता का रूप माना जाता है। अपराजिता की पूजा के लिए सबसे अच्छा समय दोपहर के बाद का है। विजय पाने के लिए देवी अपराजिता की पूजा की जाती है।

अपराजिता बेल में विभिन्न प्रकार के फूल होते हैं लेकिन नीले रंग के अपराजिता के पौधे की पूजा करना शुभ माना जाता है। वहीं अगर कुंडली में शनि देव अशुभ स्थित हो तो भी अपराजिता के पौधे की पूजा कर सकते हैं।पुराणों के अनुसार भगवान राम ने राक्षस रावण का वध करने से एक दिन पहले विजयादशमी पर देवी अपराजिता की पूजा की थी। वहीं अगर आप किसी जरूरी काम से यात्रा कर रहे हैं तो यात्रा करने से पहले देवी अपराजिता की पूजा की जाती है। जिससे यात्रा सुखद और उद्देश्यपूर्ण रहती है।

पत्नी का प्रसव करा कर लौट रहे पिता-पुत्र की सड़क हादसे में मौत

■ छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा जिले के घाट परासिया में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मृतक मेवाराम अपनी पत्नी के प्रसव के बाद घर लौट रहा था, इसी दौरान सोमवार शाम बालाघाट से आ रही एक इनोवा कार ने घाट परासिया में क्रेशर के पास बाइक सवार पिता पुत्र को टक्कर मार दी, हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बिछुआ निवासी 35 वर्षीय मेवाराम पिता पचकौडी यादव की पत्नी गर्भवती थी, बीते कुछ दिनों से अपनी पत्नी के साथ घाट परासिया में रह रहा था, जहां बीते दिन मेवाराम की पत्नी ने बच्चे को जन्म दिया। सोमवार को मेवाराम अपने पांच वर्षीय पुत्र सिद्धार्थ के साथ लोहर बथरी गांव गया था, जहां से वह दोनों मोटरसाइकिल से छिंदवाड़ा होते हुए जा रहे थे। घाट परासिया में क्रेशर के समीप एक तेज रफ्तार इनोवा चालक ने दोनों को रौंद दिया। हादसे में घायल पिता-पुत्र को उपचार के लिए अस्पताल लाया गया, जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घाट परासिया के गिट्टी क्रेशर के पास पहले भी कई बार लोग हादसों में अपनी जान गवां चुके हैं।

सार- समाचार

23 लाख से हटा में बनेगी सीएम संजीवनी क्लीनिक

हटा। दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक की तर्ज पर मध्य प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से नगर में शासकीय संजीवनी क्लीनिक खोलने जा रही है। इस क्लीनिक में आम अस्पताल की तरह ही स्वास्थ्य परामर्श, परीक्षण और जांच की सुविधा रहेगी। इसी क्रम में सोमवार को मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक का भूमिपूजन तहसीलदार बंगला के सामने किया गया। जिसमें नगर पालिका के नव निर्वाचित अध्यक्ष शैलेन्द्र खटीक, उपाध्यक्ष प्रशांत पाठक, लोक निर्माण विभाग सभापति नीरजा हरिशंकर साहू सहित समस्त पार्षदों और नगर पालिका सीएमओ राजेन्द्र खरे, सब इंजीनियर जाकिर रंगरेज, अखिलेश राय की उपस्थिति रही। नपा अध्यक्ष ने बताया कि नगरवासियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का निर्माण नगर पालिका के द्वारा किया जा रहा है यह निर्माण कार्य करीब 23 लाख रुपए की लागत से होगा। इसे करीब चार माह में ही बनवाकर शुरू कराया जाएगा। जिससे लोगों को जल्द इसका लाभ मिल सके। इस क्लीनिक को हाईटेक बनाने के लिए तमाम तरह के प्रयास किए जाएंगे। जिससे एक छोटी अस्पताल में भी समुचित स्वास्थ्य लाभ की व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेगी। इस तरह की क्लीनिक एक मॉडल के रूप में विख्यात होगी।

महाकाली की आरती उतारकर 500 पौधों का बांटा प्रसाद

बैतूल। महाकाली उत्सव समिति व मां शारदा सहायता समिति द्वारा आयोजित महाआरती कार्यक्रम में पर्यावरण के प्रति व देश के प्रति अनोखा उत्साह देखने को मिला। महाकाली की आरती के साथ भारत माता की आरती तो की ही गई वहीं जब पौधों की आरती उतारकर सुरक्षा का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष बबला शुक्ला, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, विक्रमवैध उपस्थित थे। काली उत्सव समिति के राजेन्द्र प्रजापति व मां शारदा सहायता समिति के शैलेन्द्र बिहारिया ने बताया कि कोरोना काल में ऑक्सीजन की कमी ने हमें सीखा दिया कि पेड़ पौधों का कितना महत्व है, इसी उद्देश्य से पौधों की आरती गीत संगीत के साथ आयोजित की। इस अवसर पर 500 लोगों को पौधों का प्रसाद बांटा गया और पौधों की रक्षा का संकल्प दिलाया गया। गायक पंकज सोनी ने पर्यावरण गीतों से पर्यावरण की रक्षा के लिए लोगों को आह्वान किया। इस अवसर पर नवीन मिश्रा, गुड्डू ठाकुर, पंजाबराव गायकवाड़, चंचल पांसे, गिरधारी मालवीय, धीरू जोजे, श्रीराम तिवारी, दिलीप यादव, सूरज राजपूत, शंकर टिकारे, अनुरंजन सिंह ठाकुर, उमेश माथनकर, राजेश पटने, हरिओम पवार उपस्थित थे।

मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कलेक्टर के हाथ जोड़कर सड़क बनाने का निवेदन किया

जेल भेज दूंगा, पूरी सड़क बर्बाद कर दी : कलेक्टर

■ ग्वालियर

सड़कों का काम शुरू न होने के कारण ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सोमवार को फूलबाग से किलागेट रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के सामने हाथ जोड़ते हुए कहा कि सड़क का काम जल्द पूरा कराएं। लोग परेशान हो रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने ठेकेदार को फटकार लगाते हुए कहा- मैं तुम्हे जेल भेज दूंगा। पूरी सड़क बर्बाद करके रख दी। इस पर ठेकेदार ने दस दिन में काम पूरा करने का आश्वासन दिया।

ऊर्जा मंत्री ने सुबह अधिकारियों को साथ लेकर ग्वालियर विकास प्राधिकरण के ऑफिस के सामने से फूलबाग से किलागेट रोड के निरीक्षण की शुरुआत की। जैसे ही गाड़ियों का काफिला साईं बाबा के मंदिर से आगे बढ़ा तो वहां खुदी हुई सड़क और काम बंद देखकर मंत्री रुके और उन्होंने यहां से निकलने वालों की परेशानी दिखाते हुए कलेक्टर के हाथ जोड़कर आग्रह किया कि सड़क का काम जल्दी पूरा कराएं।

इस पर कलेक्टर ने यहां मौजूद ठेकेदार बुद्ध सिंह की फटकार लगाते हुए कहा- क्यों नहीं कर रहे काम पूरा? कब तक होगा? अच्छा लग रहा है मंत्री सड़कों को देखते घूम रहे हैं। पूरी सड़क बर्बाद करके रख दी। कलेक्टर ने कहा कि मैं सार्वजनिक तौर पर कह रहा हूं कि जल्द काम पूरा नहीं हुआ तो मैं तुम्हें जेल भेज दूंगा। ठेकेदार ने भुगतान न होने का मामला भी उठाया, लेकिन कलेक्टर ने तर्क न सुनते हुए सड़क का काम पूरा करने का समय पूछा। ठेकेदार ने 10 दिन का समय मांगा। मंत्री ने कहा कि 15 दिन में काम पूरा कर दें। हालांकि अभी तक नाली और डिवाइडर निर्माण का काम भी पूरा नहीं हो पाया है। मंत्री ने कहा कि इसके बाद भी काम पूरा नहीं हुआ तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के क्रम में मंत्री ने लक्ष्मण तलैया रोड को भी देखा। इसकी हालत देखकर उन्होंने नाराजगी जाहिर की और क्षेत्र के लोगों से सड़क निर्माण में देरी के लिए माफी मांगी। इस दौरान उन्होंने निगम अमले की फटकार लगाते हुए सड़क का काम जल्द शुरू कराने के निर्देश दिए।

162 बीएलओ ने वोटर आईडी को आधार नंबर से लिंक करने का काम किया पूरा

बालाघाट। बालाघाट जिले में मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) को मतदाता के आधार नंबर से लिंक कराने का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने वोटर आईडी को आधार नंबर से लिंक करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवगोविंद मरकाम, निर्वाचन पर्यवेक्षक सुबोध श्रीवास्तव व जिला निर्वाचन कार्यालय से राकेश देशमुख व स्वाति उपस्थित रही। 100 प्रतिशत वोटर आईडी को उनके आधार नंबर से लिंक कराने वाले बीएलओ परसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बुढ़ेनाखुर्द के प्राथमिक शाला के शिक्षक भुवनेश्वर बिसेन, गड़दा के माध्यमिक शाला के शिक्षक सुनील कुमार व बालाघाट के अंतर्गत पाथरवाड़ा-2 की बीएलओ आंगनबाड़ी कार्य कर्तृता रीता बनोटे को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान में लापरवाही करने पर कलेक्टर ने चार नोडल अधिकारीयों किया निलंबित

■ उमरिया

मुख्यमंत्री जनसेवा शिविर में 4 कर्मचारियों की नामौजूदगी उन्हें भारी पड़ गई, जिसके बाद उमरिया के कलेक्टर ने चारों को निलंबित कर दिया। मामला बीते दिन जिले में आयोजित मुख्यमंत्री जन सेवा कल्याण शिविर का है। जहां चार नोडल अधिकारियों को चार पंचायत की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जिसमें मुकेश कुमार गौटिया जन शिक्षक केंद्र करकेली को ग्राम पंचायत सिंहपुर, रामलाल बैगा सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी पशु चिकित्सा विभाग उमरिया को ग्राम पंचायत कछारी, लल्लू प्रसाद महोबिया जनशिक्षक करकेली को ग्राम पंचायत दुलहरी व शोभनाथ साकेत पीसीओ जनपद करकेली को ग्राम पंचायत बड़ागांव की जिम्मेदारी बतौर नोडल अधिकारी दी गई थी। लेकिन उक्त चारों नोडल अधिकारी शिविर में उपस्थित ही नहीं हुए। कलेक्टर उमरिया ने इसे कार्य में लापरवाही मानते हुए सिविल सेवा आचरण अधिनियम के तहत निलंबित कर दिया। बता दें कि मुख्यमंत्री जनसेवा शिविर अभियान के अंतर्गत केंद्र और राज्य सरकार की जन हितैषी योजनाओं को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रत्येक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए प्रदेश के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में शिविर के माध्यम से आवेदन के निराकरण का निर्देश दिया है। जिसके तहत उमरिया जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायतों पर मुख्यमंत्री जन सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। और पंचायतवार कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है, जहां हीलाहवाली बरतने पर उन्हें इसका खमियाज़ा भी भुगतना पड़ रहा है।

यह है आत्मविश्वास बढ़ाने की कुंजी

(रवीन्द्र गुप्ता)

हर इंसान अपने लक्ष्य की प्राप्ति में प्रयासरत रहता है। उसके लिए जरूरी होता है 'आत्मविश्वास'। 'आत्मविश्वास' यानी अपनी आत्मा पर विश्वास या अपने आप पर विश्वास।

जीवन में हर काम अपने आत्मविश्वास के बलबूते पर ही होते हैं। आत्मविश्वास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण का होना जरूरी होता है। बिना आत्मविश्वास के कोई भी काम सफल नहीं हो सकता है।

अगर होता भी है तो निम्नस्तर का या आधा-अधूरा व खराब। आइए, हम जानते हैं आत्मविश्वास के बारे में-

क्या है आत्मविश्वास?

आत्मविश्वास वस्तुतः एक मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्ति है। इससे महान कार्यों के संपादन में सहजता और सफलता हमें प्राप्त होती है। बगैर आत्मविश्वास के इन कार्यों की सफलता संदिग्ध ही बनी रहती है।

एकाग्रचित बनें

जिस भी व्यक्ति का मन शंका, चिंता और भय से भरा हो वह बड़े कार्य तो क्या, साधारण से साधारण कार्य भी नहीं कर सकता है। चिंता व शंका आपके मन को कभी भी एकाग्र न होने देंगे अतः आत्मविश्वास बढ़ाने हेतु अपने मन से सभी प्रकार के संदेह निकालें तथा एकाग्रता को बढ़ाएं।

आत्मविश्वास अद्भुत शक्ति

आत्मविश्वास एक अद्भुत शक्ति होती है। इसके बल से व्यक्ति तमाम विपत्तियों तथा शत्रुओं का सामना कर लेता है। संसार के अभी तक के बड़े से बड़े कार्य आत्मविश्वास के बलबूते ही हुए हैं और हो रहे हैं तथा होते रहेंगे।

बच्चों में आत्मविश्वास भरें

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों में आत्मविश्वास भरें। उनका आत्मविश्वास कभी कम नहीं करना चाहिए। उन्हें कभी भी इस प्रकार के नकारात्मक शब्द कि 'तुम कुछ नहीं जानते' या 'तुम में इस बात की कमी है' कभी नहीं कहने चाहिए।

इससे बच्चों का आत्मविश्वास कम होता है तथा इससे उनमें हीनभावना जागृत होती है तथा वे कुंठित हो जाते हैं। आज जग में जो निराशा की भावना तथा गरीबी दिखाई दे रही है उसके पीछे प्रमुख कारण यही हीनभावना है।

ऐसे बढ़ाएं आत्मविश्वास -

सकारात्मक चिंतन हो : सबसे पहले व्यक्ति को चाहिए कि वह हमेशा सकारात्मक चिंतन करे। सकारात्मक विचारधारा के लोगों के साथ ही रहें। कहा भी जाता है कि 'जैसी संगति, वैसी उन्नति'। जैसी आपकी विचारधारा होगी, दिमाग भी वही सोचने लगता है अतः सकारात्मक ही सोचें तथा साथ ही अपनी खामियों को भी स्वीकार करें।

आत्मविश्वास से भरपूर होने का अभ्यास करें -

आप अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए यह प्रयास करें कि मैं सक्षम हूं। मैं यह कार्य कर सकता हूं। मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं आएगी।

महानायक अमिताभ बच्चन को भी पहली बार अभिनय करते वक्त काफी डर लगता था। जब अधिक डर लगता था तो वे स्वयं से कहते थे कि 'मैं जिसका रोल कर रहा हूं वह व्यक्ति मैं ही हूं' ऐसा सोचते व करते उनका आत्मविश्वास बढ़ गया व आज वे 'बिग बी' कहलाते हैं।

बीती ताहि बिसारि दे : अपने द्वारा भूतकाल में की गईं गलतियों, असफलताओं को आप भुलाकर नई शुरुआत करें। भविष्य की योजना बनाएं तथा लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति में जुट जाएं।

उपलब्धियां याद रखें : आत्मविश्वास की कुंजी है असफलता को स्वीकारना। श्रेष्ठ काम के लिए स्वयं को सराहें। आपके द्वारा सफलतापूर्वक किया गया काम आप फिर दोहरा सकते हैं इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

नया सीखते रहें : यदि आपको वर्तमान परिस्थिति जटिल लगे तो उसे नए तरीके से सीखने का प्रयास करना चाहिए। कुछ नया सीखने से आपका आत्मविश्वास तथा उत्साह बढ़ेगा तथा आपको इस बात का एहसास होता रहेगा कि 'मैं कुछ अलग व नया जानता हूं।' इससे आपका काम कम समय में बेहतर तरीके से होगा।

व्यक्तित्व को निखारिए : अपने व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देते रहें तथा हमेशा अपना व्यक्तित्व आकर्षक बनाए रखिए। बॉडी लैंग्वेज और कम्युनिकेशन स्किल को सुधारें। संकीर्ण मनोवृत्ति का न बनें। स्वयं को नई सूचनाओं से अपडेट रखें तथा आसपास के परिवेश से भी तालमेल बैठाए रखें।

इस प्रकार की चंद बातों को आजमाकर आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं तथा जीवन में नित नई उन्नति कर सकते हैं। तो आप भी आज से जुट जाइए अपना आत्मविश्वास बढ़ाने व तरक्की करने में।

टॉपर्स बनने के टिप्स

सफलता को पाने के लिए कड़ी मेहनत तो करनी ही पड़ती है। हम किसी कक्षा की एग्जाम या प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हों, इसके लिए सिर्फ एक ही लक्ष्य रखना पड़ता है वह है पढ़ाई।

किसी परीक्षा में टॉप करने वाले स्टूडेंट्स को देखकर मन में यही विचार आता है कि टॉपर्स किस तरह से परीक्षा की तैयारी करते हैं।

कुछ टिप्स जो टॉपर्स अपनाते हैं-

- शुरुआत में ही यह सोच लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है, उस क्षेत्र में सफलता के लिए जुट जाएं।
- पूर्ण समर्पण के साथ पढ़ाई करें। अगर कोचिंग के अलावा घर पर भी पढ़ाई करें।
- स्वयं का आत्मविश्वास बनाएं रखें। स्वयं पर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- अपनी कमजोरियों को खोजें और उन्हें दूर करने का प्रयास करें।
- टॉपिक्स को रटने की बजाय समझकर पढ़ने की कोशिश करें।
- पढ़ाई में निरंतरता रखें। रेग्यूलर पढ़ाई करने से वह बोझ महसूस नहीं होती।
- किसी प्रतियोगी एग्जाम की तैयारी प्लानिंग से करें ताकि रिविजन में परेशानी न आए।
- अपने ऊपर किसी प्रकार का दबाव न आने दें।
- पढ़ाई के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर उसका टीचर्स से या दोस्तों के साथ मिलकर हल निकालने का प्रयास करें।
- जिस क्षेत्र में आप तैयारी कर रहे हैं, उस क्षेत्र के एक्सपर्ट?स का मार्गदर्शन समय-समय पर लेते रहें।

ऐसे करें टाइम मैनेजमेंट

समय का पहिया निरंतर घूमता रहता है। किसी के लिए रुकता नहीं है। जिस तरह मुट्ठी में बंधी हुई रेत को फिसलने से हाथ में ?नहीं रोका जा सकता है, उसी तरह समय के ?पहिए को भी नहीं रोका जा सकता है।

कॉम्पीटिशन के इस दौर में समय के साथ चलना जरूरी है। अक्सर लोग समय का रोना रोते रहते हैं। खासकर युवा व्यर्थ कामों में अपना समय लगाकर अपने महत्वपूर्ण काम की अनदेखी करते हैं। फिर उनकी शिकायत रहती है हमें समय ही नहीं मिलता। ऐसे में आवश्यकता होती है टाइम मैनेजमेंट की। आप अपना कार्य जितने व्यवस्थित तरीके से करेंगे, काम उतना बेहतर और जल्दी होगा।

जानिए टाइम मैनेजमेंट के कुछ टिप्स-

- सबसे पहले यह देखें कि आप कहां टाइम वेस्ट कर रहे हैं। जैसे चेटिंग, फेसबुक, ई-मेल या टीवी वगैरह। इन कामों का समय निर्धारित कर आप काफी टाइम बचा सकते हैं।
- प्राथमिकताएं तय कीजिए। जो काम जरूरी है उसे अभी ?कीजिए और जो बाद में किया जा सकता है, उसके लिए समय तय कीजिए। गैर जरूरी काम छोड़कर भी आप वर्कलोड कम कर सकते हैं।
- टाइम मैनेजमेंट टूल्स का उपयोग कीजिए। मोबाइल, कैलेंडर या चार्ट वगैरह की मदद से काम समय पर निपटाए जा सकते हैं। बस रिमांडर को अवॉइड करने की आदत छोड़नी होगी।
- काम आउटसोर्स कीजिए। आप चाहें स्टूडेंट हों, प्रोफेशनल हों या गृहिणी, ऐसे कई काम हैं जो दूसरों से करवाए जा सकते हैं। इससे आपका वर्कलोड कम होगा और आप बेहतर काम कर पाएंगे।
- इंतजार में वक्त बर्बाद न करें। कई मौकों पर हमें इंतजार करते हुए लंबा समय गुजारना पड़ता है। कुछ छोटे-मोटे काम इस समय निपटाए जा सकते हैं। जैसे मेल्स चेक करना, नोट?स बनाना या जरूरी फोन लगाना।

इन आसान टिप्स को अपनाकर आप समय के सदउपयोग के साथ उसके साथ आगे बढ़ सकेंगे।

संकल्पों के साथ कैरियर की शुरुआत

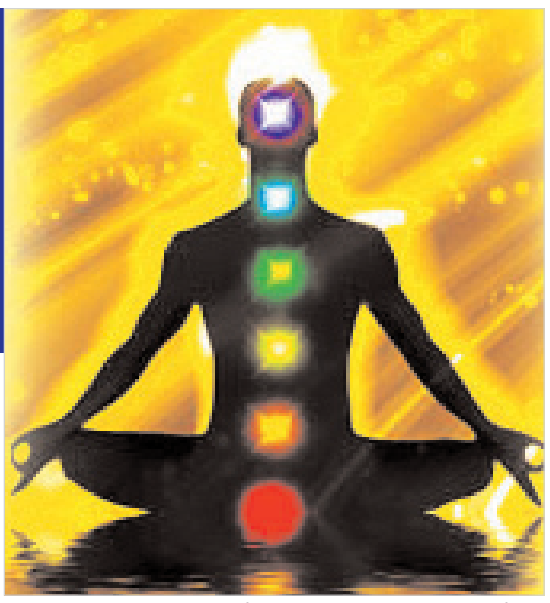

जो संकल्प लिया गया हो, उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

कई लोगों को लगता है कि जिंदगी बहुत छोटी है, इसमें कई बड़े काम करने हैं। यह सही है कि जीवन बहुत छोटा है, लेकिन यह सोच कतई उचित नहीं है कि आप एकसाथ कई संकल्प कर लें या कामों की लाइन लगा दें। मतलब यही कि आप कई संकल्प एकसाथ न लें। ऐसा करना अपनी क्षमताओं को बहुत ज्यादा आंकने से भी हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि ठोक-बजाकर वही संकल्प लें, जिसे पूरा करना संभव हो।

अक्सर देखा जाता है कि देखा-देखी या किसी के कहने में आकर भी संकल्प ले लिए जाते हैं। ऐसे संकल्पों की कोई ठोस जमीन नहीं होती। नतीजतन संकल्प का कोई मतलब नहीं रह जाता। इससे बेहतर है कि अपनी रुचि, इच्छा तथा तैयारी हो तभी संकल्प लें। हरेक व्यक्ति की क्षमता, सोच, उत्साह, जोश, प्रवृत्ति, प्रकृति आदि अलग-अलग होते हैं। इसलिए अपने व्यक्तित्व को जाँचकर संकल्प लें।

जो संकल्प लिया गया हो उसके बारे में अपने दोस्तों तथा रिश्तेदारों को भी बताना जरूरी है। इससे फायदा यह होगा कि आप संकल्प पूर्ण करने में जरा भी कमजोर या निष्क्रिय दिखाई दिए तो आपके दोस्त व रिश्तेदार आपको आपके संकल्प की याद दिला देंगे।

बड़े काम तभी संभव हो पाते हैं, जब उन्हें पूरा करने में हम पूरी दृढ़ता के साथ पूरी शक्ति, उमंग, जोश तथा ऊर्जा के साथ लग जाते हैं। यदि हमारी मनःस्थिति ढुलमुल रही या हम 'हां-ना' के जाल में फंसे रहे तो एक कदम भी आगे नहीं बढ़ा सकते। काम छोटा हो या बड़ा, उसे पूरा करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

जीवन को अर्थवान बनाने के लिए कई लोग तरह-तरह के संकल्प लेते हैं। इससे उनके जीवन का लक्ष्य तय होता है। प्रसिद्ध विचारक स्वेट मॉर्डेन ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'ऐसा व्यक्ति कठिनाई से मिलता है, जो विश्वासपूर्वक यह कह सके कि मैं करूंगा। जो कार्य मुझे करना चाहिए मैं उसे करता हूं, जो कार्य मैं कर सकता हूं, वह मुझे करना चाहिए। भगवान की कृपा से मैं ऐसे कार्य अवश्य पूरे करूंगा। मैंने परम पिता परमेश्वर के सम्मुख प्रण लिया है कि मैं इसे अवश्य पूर्ण करूंगा।' व्यक्ति इस आधार पर अपना संकल्प तय कर ले तो उसमें जो आत्मविश्वास एवं दृढ़ता आएगी, उससे उसके संकल्प के पूरा होने में कोई संदेह नहीं रहेगा।

किसी भी संकल्प को लेने से पहले सबसे ज्यादा जरूरी है कि बिलकुल शांत तथा एकाग्र हो जाएं। फिर अपनी तमाम शक्तियों या क्षमताओं तथा कमजोरियों का पूरा आकलन करें। इसमें अपनी रुचि को सर्वोच्च स्थान दें।

ऐसा करने से आपको अपनी सीमाओं का पता चल जाएगा और आप अपनी हद में रहकर संकल्प ले सकेंगे। यदि ऐसा नहीं किया गया तो संकल्प अति उत्साह या आवेग में लिया हुआ होगा, जिसका ज्वार बहुत जल्दी उतर जाता है। ऐसे में व्यक्ति का संकल्प भी धरा-का-धरा रह जाता है। इसका असर इतना विपरीत होता है कि व्यक्ति निराश एवं हताश हो जाता है, जिससे उसके दूसरे कार्य भी बिगड़ जाते हैं। उसका संपूर्ण व्यक्तित्व नकारात्मक दिशा में जा सकता है।

नहीं मिल रही है नौकरी, तो करें...

अगर सभी योग्यता और डिग्री होने के बाद भी आपको नौकरी नहीं मिल रही है। भरपूर प्रयत्न करने के बाद भी आप जॉब मार्केट में कंपनियों का ध्यान आकर्षित नहीं कर पा रहे हैं। आप इंटरव्यू में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो आपको सेल्फ एनालिसिस करना होगा।

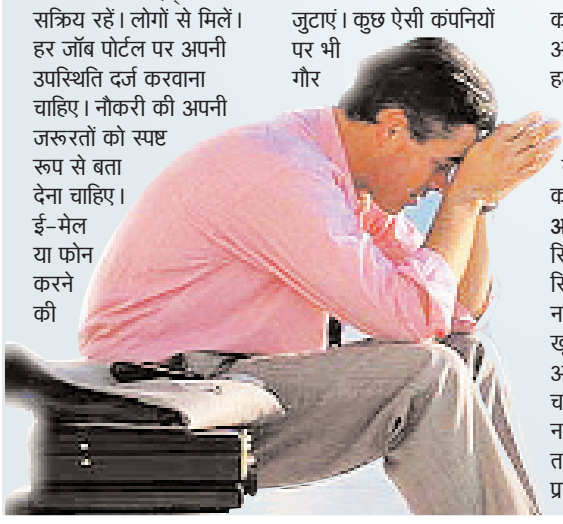

इससे आप अपनी खूबियों को पहचान सकेंगे और उन्हें जॉब्स ढूंढने में उपयोग कर सकते हैं। कुछ खास बातें जो आपको नौकरी दिलाने में मददगार हो सकती हैं-

कम्युनिकेशन बढ़ाएं- सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट?स पर सक्रिय रहें। लोगों से मिलें। हर जॉब पोर्टल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना चाहिए। नौकरी की अपनी जरूरतों को स्पष्ट रूप से बता देना चाहिए। ई-मेल या फोन करने की बजाय लोगों से सीधे मिलें। इससे आपका प्रभाव लोगो पर अच्छा पड़ेगा।

विकल्पों पर रखें नजर- आप जिस क्षेत्र में नौकरी करना चाहते हैं, उससे जुड़ी कंपनियों के वर्क कल्चर और हायरिंग प्रोसेस के बारे में जानकारी जुटाएं। कुछ ऐसी कंपनियों पर भी गौर कर सकते हैं, जो अलग-अलग तरह के काम करवाती हैं।

अपनी खूबियों को पहचानें- नौकरी ढूंढने से पहले आपको अपनी खूबियों की बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए। इस बात की भी जानकारी रखें कि आज जॉब्स देने वाली कंपनियों की जरूरतें क्या हैं। आजकल एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन आते हैं, ऐसे में आपमें कुछ खास योग्यताएं होनी चाहिए , ताकि आप वह जॉब हासिल कर सकें।

आकर्षक हो रिज्यूमे- आपका रिज्यूमे आकर्षक होना चाहिए। रिज्यूमे में ओवरलोड कंटेंट नहीं होगा चाहिए। अपनी खूबियां संक्षेप में होनी चाहिए। आपका प्रोफाइल खास होना चाहिए। अपनी पसंद और नापसंद और काम करने के तरीके के बारे खास तरीके से प्रस्तुति दें।

इंटरव्यू के लिए खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंम्प्रेशन इज़ लास्ट इम्प्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं।

समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुचें और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है।कई कंपनियों में तो कैंडिडेट?स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर-उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है।

सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटिट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें।

अपने इम्प्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इम्प्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

गौतम अदाणी ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार संपत्ति के मामले में बर्नाड अर्नाल्ट से पीछे हो गए

गौतम अदाणी और एलन मस्क की संपत्ति एक ही दिन में 25.1 अरब डॉलर तक घटी

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

दुनियाभर के शेयर बाजार में आई गिरावट में भारत के सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अदाणी और दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की संपत्ति में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार इस दौरान गौतम अदाणी और एलन मस्क की संपत्ति में एक ही दिन में करीब 25.1 अरब डॉलर की कमी आ गई है। अगर भारतीय रुपयों की बात करें तो यह रकम करीब 20,47,76,96,95,000 रुपये होगी। अदाणी ग्रुप की अलग-अलग कंपनियों अदाणी पावर, अदाणी विल्मर, अदाणी इंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स, अदाणी ग्रीन और अदाणी गैस के शेयर सोमवार को औंधेमुंह गिर गए। इसका असर उनकी संपत्ति पर पड़ा और एक ही दिन में उन्होंने 9.67 अरब डॉलर गंवा दिए। इस गिरावट के साथ ही गौतम अदाणी ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के अनुसार संपत्ति के मामले में बर्नाड अर्नाल्ट से पीछे हो गए हैं। इस इंडेक्स में अदाणी अब तीसरे नंबर से फिसलकर चौथे नंबर पर पहुंए गए हैं। गौतम अदाणी की कुल संपत्ति अब लगभग 120 बिलियन डॉलर हो गई है। शेयरों की कीमतें लुढ़कने के कारण दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की संपत्ति में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। उनकी संपत्ति में करीब 15.5 अरब डॉलर की कमी आई है। बता दें कि उनकी कंपनी टेस्ला के शेयर मंगलवार को करीब 8.61 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। फोर्ब्स रियल टाइम बिलेनियर लिस्ट के अनुसार सोमवार को गौतम अदाणी और एलन मस्क सबसे अधिक संपत्ति गंवाने वाले अरबपतियों की श्रेणी में शामिल रहे। अदाणी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान अदाणी की कंपनी अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (ञ्जतरु) के शेयरों में करीब 7.90 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली और यह करीब 3076 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, अदाणी पावर के शेयर 4.99 प्रतिशत की लोअर सर्किट के साथ 354.85 रुपये पर बंद हुए। इसके अलावे, अदाणी विल्मर में 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा और यह 717.75 रुपये पर बंद हुआ। अदाणी इंटरप्राइजेज 8.42 पर्सेंट टूटकर 3164.75 रुपये पर बंद हुआ। वहीं, अदाणी पोर्ट 4.35 फीसदी टूटकर 784.95 और अदाणी ग्रीन एनर्जी 7.65 फीसदी की गिरावट के साथ 2087.85 रुपये के भाव पर बंद हुआ।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट में बवाल, मैच के दौरान मिचेल जॉनसन ने यूसुफ पठान को दिया धक्का

एजेंसी ■ जोधपुर

लीजेंड्स लीग क्रिकेट में लाइव मैच के दौरान दो खिलाड़ी भिड़ गए। जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में भीलवाड़ा किंग्स और इंडिया कैपिटल्स के बीच लीजेंड्स लीग क्रिकेट के एक क्वालीफायर मैच के दौरान मिशेल जॉनसन और यूसुफ पठान के बीच तीखी नोकझोंक हुई। यह घटना भीलवाड़ा किंग्स की पारी के दौरान 19वें ओवर के अंत में हुई, जब जॉनसन ने यूसुफ को ओवर की आखिरी गेंद पर आउट किया। इससे पहले के ओवर में यूसुफ ने जॉनसन की पहली तीन गेंदों पर 6, 4 और 6 रन जड़े थे। हालांकि, 19वें ओवर में जब यूसुफ डीप-मिडविकेट पर कैच आउट हुए दो दोनों खिलाड़ी भिड़ गए। यहां तक कि जॉनसन ने यूसुफ को धक्का तक दिया। वीडियो में जॉनसन को युसूफ को कुछ शब्द बोलते हुए देखा गया। इस पर यूसुफ पठान भड़क गए और वह जॉनसन को जवाब देने के लिए उनके पास गए।

सेबी ने आईपीओ से आय की हेराफेरी में दस कंपनियों पर लगाया 3.42 करोड़ का जुर्माना

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

लिस्टिंग अनुबंधों का उल्लंघन करने पर बाजार नियामक सेबी ने बिड़ला पैसिफिक मेडस्पा और यशोवर्धन बिड़ला समेत 10 कंपनियों पर 3.42 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इन पर आईपीओ से हुई आय की चोरी और दूसरी कंपनियों में डायवर्ट करने के कारण जुर्माना लगाया गया है।

नियामक ने बिड़ला पैसिफिक मेडस्पा लि. (बीपीएमएल) पर 1.07 करोड़, अभिजीत देसाई पर 32 लाख, पीवीआर मूर्ति पर 26 लाख, यशोवर्धन बिड़ला, वेंकटेश्वरलु नीलाभोटला, मोहनदास अदिगे, अनोज मेनन, राजेश शाह, उपकार सिंह कोहली और तुषार डे प्रत्येक पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। सेबी ने यह आदेश 7-15 जुलाई, 2011 के दौरान बीपीएमएल के आईपीओ की जांच के बाद जारी किए। बीपीएमएल का शेयर 7 जुलाई, 2011 को बीएसई पर सूचीबद्ध हुआ था, जबकि जनता के लिए इसका सब्सक्रिप्शन 20-23 जून, 2011 से खुला था। प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, समूह को आईपीओ से प्राप्त धन का उपयोग पूरे भारत में 55 स्वास्थ्य देखभाल क्लीनिकों की स्थापना के लिए किया जाना था, लेकिन समूह ने ऐसा नहीं किया और 34.91 करोड़ रुपये चोरी से निकाल लिए। इसके अलावा आईपीओ की 31.54 करोड़ की राशि समूह की विभिन्न कंपनियों को इंटर कॉरपोरेट डिपॉजिट (आईसीडी) के रूप में दे दी गई। इन कंपनियों ने बीपीएमएल के 18.54 करोड़ रुपये वापस नहीं किए। इन कंपनियों ने बीपीएमएल को 6.39 करोड़ का ब्याज भी अदा नहीं किया।

सार्वजनिक वितरण कंपनी ने सीएनजी के दाम छह रुपये बढ़ाए, पीएनजी की कीमतों में चार रुपये का इजाफा

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

शहर में रात से सीएनजी और पीएनजी की नई कीमतें लागू होंगी। दरअसल, गैस वितरण कंपनी महानगर गैस (एमजीएल) ने सीएनजी के दाम छह रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ा दिए हैं। वहीं रसोई गैस (पीएनजी) की कीमतों में चार रुपये प्रति यूनिट की बढ़ोत्तरी की गई है। इस नई घोषणा के साथ मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में सीएनजी का खुदरा दाम बढ़कर 86 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। वहीं पीएनजी का दाम 52.50 रुपये प्रति एससीएम (स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर) होगा। राज्य संचालित कंपनी ने आपूर्ति में कटौती के साथ-साथ खुदरा कीमतों में भारी वृद्धि के लिए गैस की कीमतों में 1 अक्टूबर से हुई चालीस प्रतिशत की वृद्धि को जिम्मेदार ठहराया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वाले पेट्रोलियम मूल्य निर्धारण और विश्लेष्ण प्रकोष्ट ने 30 सितंबर को घोषणा की थी कि 1 अक्टूबर से नई कीमतें लागू होंगी। इसमें घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस की कीमतों में 40 प्रतिशत की भारी वृद्धि की गई। 1 1 अप्रैल को अतंरराष्ट्रीय कीमतों का हवाला देते हुए गैस के दामों में 110 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। सरकार साल में दो बार (1 अप्रैल से 30 सितंबर तक और 1 अक्तूबर से 31 मार्च तक) गैस की कीमतों में संशोधन करती है, इसलिए 1 अक्तूबर से 31 मार्च तक की कीमत जुलाई 2021 से जून 2022 तक की औसत कीमत पर आधारित है। महानगर गैस ने कहा है कि इस वृद्धि के बाद सीएनजी और पेट्रोल के बीच मूल्य बचत घटकर 45 प्रतिशत रह गई है। पीएनजी और एलपीजी के बीच यह अंतर केवल 11 प्रतिशत रह गया है।

2022 में भारत की जीडीपी 5.7 फीसदी तक गिरेगी

नईदिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की एक शीर्ष एजेंसी ने सोमवार को उच्च वित्तपोषण लागत और कमजोर सार्वजनिक व्यय का हवाला देते हुए 2021 में 8.2 प्रतिशत से इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि 5.7 प्रतिशत तक गिरने का अनुमान लगाया है। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) व्यापार और विकास रिपोर्ट 2022 के पूर्वानुमान के अनुसार, भारत की जीडीपी 2023 में 4.7 प्रतिशत तक गिर जाएगी। भारत ने 2021 में 8.2 प्रतिशत के विस्तार का अनुभव किया, जो जी20 देश में सबसे मजबूत था। रिपोर्ट में कहा गया है कि जैसे-जैसे आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान कम हुआ, बढ़ती घरेलू मांग ने चालू खाते के अधिशेष को घाटे में बदल दिया और विकास दर में गिरावट आई।

शिमरोन हेटमायर वर्ल्ड कप टीम से बाहर

एजेंसी ■ जमैका

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर को वर्ल्ड कप टीम से बाहर कर दिया। उन्हें ऑस्ट्रेलिया जाने वाली टीम की फ्लाइट को छोड़ने की सजा मिली है। हेटमायर की जगह बल्लेबाज शामराह ब्रूक्स को दल में शामिल किया गया है। हालांकि, वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। ब्रूक्स सीधे मेलबर्न पहुंचेंगे। वेस्टइंडीज को सुपर-12 से पहले क्वालिफाइंग राउंड में खेलना है।

हेटमायर की फ्लाइट को पहले ही बदला जा चुका था। उन्हें एक अक्तूबर को टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होना था। हेटमायर ने पारिवारिक कारणों से दो दिन का समय मांगा था। इस कारण तीन अक्तूबर को उन्हें फ्लाइट से जाना था। इस बार वह समय से एयरपोर्ट नहीं पहुंच पाए। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड इससे नाराज हो गया। उसने हेटमायर को टीम से ही निकाल दिया। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने यह फैसला आनन-फानन में नहीं लिया था। उसने हेटमायर को पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर उन्होंने और देरी की तो इसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ सकता है। हेटमायर समय से एयरपोर्ट नहीं पहुंचे। उन्हें इसकी कीमत वर्ल्ड कप टीम से बाहर होकर चुकानी पड़ी। हेटमायर के अलावा विस्फोटक ऑलराउंडर आंद्रे रसेल और दिग्गज स्पिनर सुनील नरेन भी टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। इनदोनों को वर्ल्ड कप टीम में नहीं रखा गया है। ओपनर एविन लुईस की टीम में वापसी हुई है। बाएं हाथ के बल्लेबाज एविन लुईस ने पिछली बार वेस्टइंडीज के लिए 2021 में टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था। वहीं, रसेल और नरेन को पिछले कुछ दिनों में चयनकर्ताओं ने कुछ खास तवज्जो नहीं दी है। रसेल और नरेन दोनों 2012 और 2016 में टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम का हिस्सा थे।

चयनकर्ताओं ने 15 सदस्यीय टीम में अनकैप्ड ऑलराउंडर यानिच कैरियाह और रेमन रीफर को जगह दी। टीम की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज निकोलस पूरन संभालेंगे। वहीं, रोवमन पॉवेल उपकप्तान होंगे।

सिंगापुर की फोन पे अब बनी भारत की कंपनी

एजेंसी ❑ नई दिल्ली

भुगतान और वित्तीय सेवा देने वाली कंपनी फोन पे अब सिंगापुर के बजाय भारत की कंपनी बन गई है। कंपनी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। सोमवार को फोन पे ने कहा कि डोमिसाइल को सिंगापुर से भारत में लाने की योजना की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद फोन पे समूह के कारोबार और कंपनियों पर अब फोन पे प्राइवेट लिमिटेड (भारत) का मालिकाना हक है। कंपनी ने कहा कि सिंगापुर से भारत लाने की प्रक्रिया तीन चरणों में पूरी हुई है। पहले चरण में पिछले साल फोन पे सिंगापुर के कारोबार और सब्सिडियरी को सीधे फोन पे प्राइवेट लिमिटेड इंडिया को दे दिया गया। इसमें बीमा ब्रोकिंग और वेल्थ ब्रोकिंग सेवाएं भी शामिल हैं। दूसरे चरण के तहत फोन पे के बोर्ड ने हाल में नया एंप्लॉयी स्टॉक ऑप्शन (ईसॉप) तैयार करने और तीन हजार से अधिक कर्मचारियों के मौजूदा इसॉप को बदलने को मंजूरी दी। इसके बाद अंतिम चरण में ओवरसीज प्रत्यक्ष निवेश नियम के तहत फोन पे ने हाल में खरीदे गए ऐप स्टोर को सिंगापुर से भारत में शिफ्ट कर दिया। कंपनी की उम्मीद अगले साल तक मुनाफे में आने की है। उसके बाद ही वह आईपीओ की तैयारी करेगी।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)